https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
रविवार, 22 दिसम्बर 2024
वर्ष 17 अंक 106
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

www.epaperjantaunion.com

अधिकतम : 18° से.
न्यूनतम : 7° से.

jantaunion@gmail.com

शादी के दस माह बाद महिला की...- 3 | राजस्व कर्मी व लेखपाल अपने मूल कार्यों में...- 8

सार संक्षेप

क्रिकेटर ने कहा भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर स्टेडियम बनना चाहिए

कराची (जीएनएस)। पाकिस्तानी क्रिकेटर अहमद शहजाद ने आईसीसी चैंपियन ट्राफी में टीम इंडिया के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर होने वाले फैसले के बाद यह आश्चर्यचकित कर देने वाले बयान के साथ निशाना साधते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान दोनों देशों की सीमाओं के बीच एक स्टेडियन बनना चाहिए। भारतीय टीम के पाकिस्तान न जाने के फैसले के चलते न्यूट्रल वेन्यू पर खेलना तय किया गया। ज्ञात हो कि पाकिस्तानी क्रिकेट टीम ने यह स्पष्ट किया कि वह भी अब भारत क्रिकेट खेलने नहीं आएगी।

भारतीय टीम ने आखिरी बार साल 2008 में पाकिस्तान का दौरा किया था। जबकि पाकिस्तानी टीम आखिरी बार साल 2023 का वनडे वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत आई थी। दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव के चलते दोनों देशों की क्रिकेट टीमें द्वुष्टष्ट इवेंट्स में ही आमने सामने होती है। भारत सालों से अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से माना करता रहा है लेकिन अब पाकिस्तान ने भी ऐसा ही किया। इस पर अब पाकिस्तान के क्रिकेटर अहमद शहजाद ने कहा कि भारत और पाकिस्तान की बॉर्डर पर एक स्टेडियम बना देना चाहिए।

पूर्वांचलियों के सम्मान में, संजय सिंह मैदान में : केजरीवाल

नई दिल्ली (जीएनएस)। आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली में बसे पूर्वांचल समाज के लोगों को बांग्लादेशियों से तुलना की है। बीजेपी के लोग दिल्ली की मतदाता सूची से पूर्वांचल समाज के नाम कटवाने के लिए फॉर्म भरवा रहे हैं। उन्होंने इसे पूर्वांचल समाज के खिलाफ एक बड़ी साजिश करार देते हुए ऐलान किया है कि इसके खिलाफ आम आदमी पार्टी दिल्ली में पूर्वांचलियों के सम्मान में संजय सिंह मैदान में अभियान चलाएगी। अभियान के दौरान पूर्वांचल समाज के लोगों को जेपी नड्डा का संसद में दिया गया भाषण दिखाया जाएगा। इसके अलावा संजय सिंह पूर्वांचलियों की बस्ती में रात्रि प्रवास भी करेंगे।

देश चिकित्सकों की कमी का सामना कर रहा, मेडिकल सीटें बर्बाद नहीं होनी चाहिए : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली (जीएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि ऐसे समय में जब देश डॉक्टरों की भारी कमी से जूझ रहा है, ''कीमती'' मेडिकल सीटें बर्बाद नहीं होनी चाहिए। न्यायालय ने प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रिक्त सीटों को भरने के लिए नये सिरे से काउंसलिंग आयोजित करें। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने दाखिल देने वाले प्राधिकारियों को विशेष काउंसलिंग आयोजित करने और 30 दिसंबर तक मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने को कहा। पीठ ने आदेश दिया, ''विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों तथा इस बात पर ध्यान रखते हुए कि देश डॉक्टरों की भारी कमी से जूझ रहा है, बहुमूल्य मेडिकल सीटें व्यर्थ नहीं जानी चाहिए।

चुनाव नियमों में सरकार ने किया बदलाव, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के सार्वजनिक निरीक्षण पर प्रतिबंध

नई दिल्ली (जीएनएस)। केंद्र ने सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों की सार्वजनिक जांच को रोकने के लिए एक चुनाव नियम में संशोधन किया है। इस कदम की कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है। जयराम रमेश ने कहा कि यह चुनावी प्रक्रिया की तेजी से ख़त्म हो रही अखंडता के दावे की पुष्टि है। चुनाव आयोग की सिफारिश के आधार पर केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सार्वजनिक जांच के लिए खुले दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित करने के लिए चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया। चुनाव संचालन नियमों के पहले नियम 93(2)(ए) में कहा गया था कि चुनाव से संबंधित अन्य सभी कागजात सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले होंगे।

नियम का संशोधित संस्करण कहता है चुनाव से संबंधित इन नियमों में निर्दिष्ट अन्य सभी कागजात सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले होंगे। कानून मंत्रालय और चुनाव अधिकारियों ने कहा कि एक अदालती मामले ने सरकार को नियमों में संशोधन करने के लिए प्रेरित किया। ऐसे मामले सामने आए हैं जहां नियमों का हवाला देकर ऐसे इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड मांगे गए हैं। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि संशोधन यह सुनिश्चित करता है कि केवल नियमों में उल्लिखित कागजात ही सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध हैं, और कोई भी अन्य दस्तावेज जिसमें नियमों का कोई संदर्भ नहीं है, उसे सार्वजनिक निरीक्षण की अनुमति नहीं है। चुनाव संचालन नियमों में उल्लिखित नामांकन फॉर्म, चुनाव एजेंटों की नियुक्तियां, परिणाम और चुनाव खाता विवरण जैसे दस्तावेज़ सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध होंगे। हालाँकि, इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज़ इसके दायरे से बाहर होंगे। चुनाव अधिकारियों ने आशंका व्यक्त की कि मतदान केंद्र के अंदर सीसीटीवी कैमरों की अनुमति देने से इसका दुरुपयोग हो सकता है और मतदाता गोपनीयता से समझौता हो सकता है। ऐसी सभी सामग्री फुटेज सहित उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध है।

जयपुर अग्निकांडः एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के जले हुए शव की पहचान पैर की अंगूठियों से की, दर्दनाक मंजर

जयपुर (जीएनएस)। जब कन्हैयालाल मीना शुक्रवार को राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल अपनी पत्नी को बस स्टॉप पर छोड़ने गए, तो उन्हें शायद ही पता था कि यह उनकी आखिरी विदाई होगी। अनीता मीना उन 14 लोगों में शामिल थीं, जिनकी मौत जयपुर-अजमेर हाईवे पर एक एलपीजी टैंकर के कई वाहनों से टकराने के बाद हुई थी, जिसके बाद भीषण आग लग गई थी, जिसमें 40 वाहन जल गए थे।

अनीता, जो चैनपुरा में आरएसी (राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबुलरी) की चौथी बटालियन में तैनात थीं, शुक्रवार सुबह ड्यूटी पर रिपोर्ट करने के लिए दूदू से जयपुर जा रही थीं। अनीता, जो अपने परिवार की एकमात्र कमाने वाली थीं, सुबह 3 बजे बस में सवार हुईं।

हालांकि, भांकरोटा इलाके में दुर्घटना के दौरान स्लीपर बस में आग लगने से यात्रा जानलेवा हो गई। पीड़ितों और घायलों को सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल ले जाया गया।

दुर्घटना की खबर मिलते ही कन्हैलाल मीना अनीता की तलाश में जयपुर के एसएमएस अस्पताल पहुंचे। शुरुआत में अस्पताल के कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि अनीता का नाम घायल यात्रियों की सूची में नहीं है।

नोएडा एयरपोर्ट के किसानों को बड़ा तोहफा, मुआवजा दरें बढ़ीं

लखनऊ (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के विकास के लिए अपनी जमीन देने वाले किसानों को राहत दी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित संवाद में उन्होंने तीसरे चरण के भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजा दर 3100 रुपये प्रति वर्गमीटर से बढ़ाकर 4300 रुपये प्रति वर्गमीटर करने की घोषणा की। यह मुआवजा ब्याज सहित दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि प्रभावित किसान परिवारों को व्यवस्थापन, रोजगार और सेवायोजन के अवसर दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा और अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। 9 दिसंबर को यहां वेलीडेशन फ्लाइट की सफल लैंडिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अगले साल अप्रैल से यहां से नियमित उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ को मंच पर बुलाकर भूमि अधिग्रहण और प्रभावित किसानों के व्यवस्थापन पर चर्चा की। सीईओ ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के लगभग सभी मामलों में मुआवजा दिया जा चुका है। केवल उत्तराधिकार और वरासत के कुछ प्रकरण लंबित हैं। मुख्यमंत्री ने इन मामलों का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

एयरपोर्ट के साथ 40 एकड़ में एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉलिंग) हब भी बनाया जाएगा। यह क्षेत्र विमानों के रखरखाव का प्रमुख केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में यह इलाका औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की गतिविधियों का केंद्र बनेगा।जेवर, जो कभी विकास से अछूता था, अब वैश्विक मानचित्र पर चमकेगा। उन्होंने बताया कि दो वर्षों में 1334 हेक्टेयर भूमि यानी करीब 3300 एकड़ का अधिग्रहण बिना विवाद के पूरा हुआ है।

मासूम के साथ रेप व हत्या के आरोपी सौतेले पिता को न्यायालय ने दी मृत्युदंड की सजा

गोण्डा (जीएनएस)। शनिवार को आपरेशन कन्विक्शन के तहत, एक चार वर्षीय मासूम के साथ हैवानियत के बाद हत्या करने के मामले में, पुलिस की पैरवी से महज छह माह मे ही आरोपी को न्यायालय ने मृत्युदंड की सजा सुनाई है।इसी के साथ उसके ऊपर 50 हजार का अर्थदण्ड भी लगाया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने जानकारी दी कि,बीते 22 -06-2024 को जिले के नवाबगंज थानाक्षेत्र अंतर्गत कटरा रेलवे-स्टेशन के पास बाग में एक चार वर्षीय मासूम बच्ची का शव मिला था।जिसमें पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की पुष्टि हुई थी।

जिसके उपरान्त तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक नवाबगंज मनोज राय ने महज 10 दिनो में चार्जशीट लगाते हुए इस घटना को कारित करने वाले एमपी राज्य के दतिया जनपद अंतर्गत सेवढ़ा थानाक्षेत्र के जोरीताल निवासी बच्ची के सौतेले पिता सौतेला पिता विश्वनाथ वंशकार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस मामले में पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते शनिवार को न्यायालय ने आरोपी के ऊपर 50 हजार रूपए का अर्थदण्ड लगाते हुये उसे मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

मध्य प्रदेश के देवास में मिल्क पार्लर-कम-हाउस में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

देवास (जीएनएस)। पुलिस ने बताया कि शनिवार की सुबह मध्य प्रदेश के देवास जिले में एक मिल्क पार्लर-सह-आवास में लगी आग में एक दंपत्ति और उनके दो बच्चों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि आग सुबह करीब 4.45 बजे नयापुरा इलाके में स्थित परिसर में लगी।

शनिवार की सुबह मध्य प्रदेश के देवास जिले के नयापुरा इलाके में एक मिल्क पार्लर-सह-आवास में लगी आग ने दो बच्चों सहित परिवार के चार सदस्यों की जान ले ली। पुलिस ने बताया कि शनिवार की सुबह मध्य प्रदेश के देवास जिले में एक मिल्क पार्लर-सह-आवास में लगी आग में एक दंपत्ति और उनके दो बच्चों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि आग सुबह करीब 4.45 बजे नयापुरा इलाके में स्थित परिसर में लगी। नाहर दरवाजा पुलिस थाने की प्रभारी मंजू यादव ने पीटीआई को बताया, हमें नयापुरा में एक मिल्क पार्लर में आग लगने की सूचना मिली थी और उसी परिसर में एक परिवार रह रहा था।

नौका-नौसैन्य पोत की टक्करः लापता सात वर्षीय लड़के का शव मिला, मृतक संख्या बढ़कर 15 हुई

मुंबई (जीएनएस)। मुंबई तट के पास नौका और नौसैन्य पोत के बीच हुई टक्कर के बाद लापता हुए सात वर्षीय बच्चे का शव तीन दिन के तलाश अभियान के बाद शनिवार सुबह बरामद कर लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नौसेना के एक अधिकारी ने कहा कि हालांकि तलाशी अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक नौका को सीधा खड़ा नहीं कर दिया जाता तथा यह पुष्टि नहीं हो जाती कि अब कोई अन्य शव नहीं बचा है। नौसैन्य नौकाओं ने जोहान मोहम्मद निसार अहमद पठान का शव बरामद कर लिया और इसी के साथ 18 दिसंबर को हुई दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई।

यह शहर के बंदरगाह क्षेत्र में हुई सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक है और नौसेना ने इसकी जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने बताया कि लापता यात्रियों की तलाश के लिए नौसेना के एक हेलीकॉप्टर और नौसेना एवं तटरक्षक बल की नौकाओं को तैनात किया गया।

सीएम भजनलाल की जापानी जोन में उद्यमियों के साथ बैठक

जयपुर (जीएनएस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नीमराना के जापानी जोन में स्थित डाइकिन कम्पनी के सभागार में औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित हुई राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट प्रदेश की अर्थव्यवस्था और चहुंमुखी विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू हुए हैं। साथ ही, राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेशवासियों को एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी है जिससे राजस्थान के विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने डाइकिन कम्पनी के सभागार में औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नीमराना व घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था में ग्रोथ इंजन साबित हो रहे हैं। देश के पहले जापानी जोन नीमराना में 51 जापानी कम्पनियां स्थापित हैं। जिनके माध्यम से करीब 27 हजार से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल बिजनेस एक्सपो में 7 जापानी कम्पनियों एवं जेट्रो ने जापान पैवेलियन में हिस्सेदारी की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर विशेष जोर है। प्रक्रियाओं और नीतियों को सरल बनाया जा रहा है। हमने 10 नई नीतियां जारी की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापानी कम्पनियों के राजस्थान में निवेश करने के रूझान को देखते हुए दूसरा जापानी जोन घीलोठ में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि नीमराना और घीलोठ में करीब 150 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्य शीघ्र प्रारम्भ किए जा रहे हैं।

यूपीएमएसपी ने 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाओं का शेड्यूल जारी किया

लखनऊ (जीएनएस)। अगले साल यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट की परीक्षा में जो भी छात्र शामिल होने वाले हैं उनके लिए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यानी यूपीएमएसपी ने आज शेड्यूल जारी किया है। पहले चरण में प्रैक्टिकल परीक्षाएं 23 जनवरी से 31 जनवरी 2025 के बीच आयोजित की जाएंगी। इस शेड्यूल को यूपी बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट upmsp.edu.in पर जाकर चेक कर सकते हैं और डाउनलोड कर सकते हैं। गौरतलब है कि यूपी बोर्ड के मुताबिक, पहले चरण में प्रैक्टिकल परीक्षाओं का आयोजन 23 जनवरी से 31 जनवरी 2025 के बीच किया जाएगा, जिसमें लखनऊ से लेकर आगरा, बरेली, सहारनपुर, झांसी, अयोध्या, चित्रकूट, आजमगढ़, बस्ती और देवीपाटन मंडल शामिल हैं। वहीं, दूसरे चरण में प्रैक्टिकल परीक्षाओं का आयोजन 1 फरवरी से 8 फरवरी 2025 तक किया जाएगा, जिसमें गोरखपुर से लेकर मिर्जापुर, वाराणसी, प्रयागराज, मेरठ, कानपुर, अलीगढ़ और मुरादाबाद मंडल शामिल हैं।

छाएगा घना कोहरा

आईएमडी ने उत्तर भारत के लिए जारी की शीतलहर की चेतावनी

नई दिल्ली (जीएनएस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में 24 दिसंबर को शीतलहर की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने 20 दिसंबर को अपने पूर्वानुमान में कहा है कि 20 से 24 दिसंबर के बीच हिमाचल प्रदेश में शीत लहर गंभीर स्थिति में होगी। वहीं ये स्थिति आगे 26 दिसंबर तक जारी रह सकती है।

मौसम विभाग की मानें तो 21 और 22 दिसंबर को पंजाब और राजस्थान में शीत लहर चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 22 दिसंबर तक हिमाचल प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में देर रात और सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी भी दी है। पंजाब और हरियाणा के कई इलाके बीते कुछ दिनों से ठंड की चपेट में आए हुए है। इससे पहले 19 दिसंबर को फरीदकोट में न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शुक्रवार को पंजाब के पठानकोट में कड़ाके की ठंड रही और न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। पंजाब के बठिंडा और गुरदासपुर में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस और 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं हरियाणा में सिरसा सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हिसार में भी 5.6 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ रात ठंडी रही, जबकि करनाल में 6.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। भिवानी में न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कश्मीर में, घाटी में तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे चला गया, श्रीनगर में शुक्रवार को मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई, पीटीआई ने बताया। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछली रात के -6 डिग्री सेल्सियस से थोड़ा कम है। मौसम विभाग ने 26 दिसंबर तक मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान जताया है तथा 21-22 दिसंबर की रात को घाटी के ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है।

एमबीबीएस प्रशिक्षुओं के यौन उत्पीड़न करने पर मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर को तीन साल की सजा

ठाणे (जीएनएस)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कलवा में स्थित राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एमबीबीएस प्रशिक्षुओं का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के लिए एक प्रोफेसर को तीन वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गयी है।

वर्ष 2014 में जब ये घटनाएं हुई तब डॉ. सैलेश्वर नटराजन (63) कॉलेज के सर्जरी विभाग के प्रमुख थे। कई छात्राओं ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि नटराजन डायग्नोस्टिक प्रक्रियाओं को दिखाने के बहाने उन्हें अनुचित तरीके से छू रहे थे।

छात्राओं की शिकायत के बाद कलवा थाने में नटराजन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। उस दौरान छात्राओं ने कॉलेज में विरोध प्रदर्शन भी किया था। सरकारी वकील लीना पेडनेकर ने बताया कि मजिस्ट्रेट मोहिनी नानावरे ने बृहस्पतिवार को नटराजन को तीन वर्ष की सजा सुनाई और 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

उन्होंने बताया कि पीड़ित दंपत्ति और उनके दो बच्चों की मौत दम घुटने और जलने से हुई। अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग की एक टीम ने आग पर काबू पा लिया है। पुलिस के अनुसार, दिनेश कार्पेन्टर (35), उनकी पत्नी गायत्री (30), 10 वर्षीय बेटी इशिका (10) और सात वर्षीय बेटे चिराग की आग में मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) पुनीत गहलोत ने कहा कि दिनेश इमारत के भूतल पर डेयरी के मालिक थे और अपने परिवार के साथ दूसरी मंजिल पर रहते थे।

प्रवर आधीनस्थ सेवा परीक्षा कल

केन्द्रों पर तैयारियों को परखने पहुंचे डीएम व एसएसपी

मथुरा। शहर के एक परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह व एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय व अन्य अधिकारी।

- केन्द्रों पर साफ सफाई, पेयजल, शौचालय, लाइट हो व्यवस्थाः डीएम
- केन्द्र व्यवस्थापक व सहायक केन्द्र व्यवस्थापकों से जुटाई जानकारी

जनता यूनियन मथुरा । उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-कल को दो पालियों में आयोजित होने वाली परीक्षा की तैयारियों कोपरखने के लिए जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने शहर के परीक्षा केन्द्रों की व्यवस्थाओं को परखा।

दोनों अधिकारियों ने शनिवार को सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज, चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज तथा किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने केन्द्र व्यवस्थापकों एवं सह केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ कन्ट्रोल रूम, स्ट्रॅग रूम, सीसीटीवी रूम, प्रवेश एवं निकास द्वार, क्लोक रूम आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्रों पर कक्षों की जानकारी ली तथा कितने अभ्यर्थी शामिल होंगे के संबंध में जानकारी ली। जिस पर सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज तथा किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कॉलेज के व्यवस्थापकों ने बताया कि उनके केन्द्रों पर 480-480 छात्र-छात्राएँ परीक्षा देंगे। चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज के व्यवस्थापक ने जानकारी दी कि उनके केन्द्र में 384 छात्र-छात्राएँ परीक्षा देंगे।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि केन्द्रों पर उत्कृष्ट साफ सफाई तथा छात्र-छात्राओं हेतु पेयजल, शौचालय, लाइट आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। आयोग के मानक अनुसार केन्द्रों पर छात्र-छात्राओं का प्रवेश कराया जाये तथा सभी की चेकिंग एवं बायोमैट्रिक चेकिंग ससमय की जाये।

जनपद के 22 विद्यालयों में पूर्वान्ह 09:30 बजे से 11:30 बजे तक एवं अपरान्ह 02:30 बजे से 04:30 बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। जनपद में 9006 छात्र छात्राओं द्वारा परीक्षा दी जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि नकलविहीन, सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पन्न कराने हेतु 22 सेक्टर मजिस्ट्रेटों के अलावा प्रत्येक केन्द्र पर एक-एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है, इसके अतिरिक्त रिजर्व सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट रखे गए है।

जिलाधिकारी ने परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को सूचित किया है कि परीक्षा प्रारम्भ होने के निर्धारित समय से 45 मिनट पूर्व से ही केन्द्र में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा। प्रथम पाली के परीक्षार्थियों को पूर्वान्ह 08 बजे से परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश प्रारम्भ कराया जाएगा तथा 08:45 के उपरान्त किसी भी दशा में परीक्षा केन्द्र के अन्दर परीक्षार्थी अथवा कोई भी अध्यापक को प्रवेश नहीं होने दिया जाएगा। इसी प्रकार द्वितीय पाली में दोपहर एक बजे से 01:45 बजे तक ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश पा सकेंगे इसके बाद किसी को परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। अतएव सभी परीक्षार्थी समय का विशेष ध्यान देते हुए अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना सुनिश्चित करे।

पेनल्टी शूट आउट में टीम चीता ने एमआर फुटबाल क्लब को हराया

मथुरा। सहस्त्राब्दि स्टेडियम टाउनशिप में खेले गए फुटवाल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले की विजेता टीम चीता के खिलाड़ी ट्राफी के साथ।

जनता यूनियन मथुरा । इंडियन ऑयल की मथुरा रिफाइनरी के सहस्त्राब्दि स्टेडियम टाउनशिप में चल रहे फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता के दौरान बीती शाम फाइनल मुकाबला एमआर फुटवाल क्लब व टीम चीता के मध्य खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमें बराबरी पर रही। उसके बाद पेनल्टी शूट आउट में टीम चीता ने गोल करके विजय श्री प्राप्त की।

फुटबॉल टूर्नामेंट में मथुरा रिफाइनरी में कार्यरत कर्मकारी एवं अधिकारियों की कुल 6 टीमों ने प्रतिभाग किया गया। सभी टीमों के मध्य 9 मैच खेले गए। फाइनल मुकाबले को देखने पहुंचे मुख्य अतिथि सीजीएम एचआर भास्कर हजारिका ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। वी. सुरेश ने खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इंडियन ऑयल ऑफिसर्स एसोसिएशन मथुरा रिफाइनरी के सचिव रविन्द्र यादव एवं मथुरा रिफाइनरी कर्मचारी संघ के महामंत्री मुकेश शर्मा ने फाइनल मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी।

एम्पलॉइज क्लब द्वारा फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए क्लब कार्यकारणी का भी आभार व्यक्त किया। वहीं रनर-अप टीम रही एमआर फुटबॉल क्लब के कप्तान ने जीती हुई टीम चीता को शुभकामनाएं दीं।

उत्तरप्रदेश पीसीएस परीक्षा आज, प्रशासन मुस्तैद

- डीएम, एसएसपी ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

जनता यूनियन मथुरा । उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 कल दिनांक 22 दिसम्बर 2024 रविवार को दो पालियों में आयोजित होगी। परीक्षा को सकुशल, शान्तिपूर्ण व नकलविहीन सम्पन्न कराने हेतु जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज, चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज तथा किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने केन्द्र व्यवस्थापकों एवं सह केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ कन्ट्रोल रूम, स्ट्रॅग रूम, सीसीटीवी रूम, प्रवेश एवं निकास द्वार, क्लोक रूम आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्रों पर कक्षों की जानकारी ली तथा कितने अभ्यर्थी शामिल होंगे के संबंध में जानकारी ली। जिस पर सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज तथा किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कॉलेज के व्यवस्थापकों ने बताया कि उनके केन्द्रों पर 480-480 छात्र-छात्राएँ परीक्षा देंगे। इसी क्रम में चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज के व्यवस्थापक ने जानकारी दी कि उनके केन्द्र में 384 छात्र-छात्राएँ परीक्षा देंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि केन्द्रों पर उत्कृष्ट साफ सफाई तथा छात्र-छात्राओं हेतु पेयजल, शौचालय, लाइट आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। आयोग के मानक अनुसार केन्द्रों पर बच्चों का प्रवेश कराया जाये तथा सभी की चेकिंग एवं बायोमैट्रिक चेकिंग ससमय की जाये। जनपद के 22 विद्यालयों में पूर्वान्ह 09:30 बजे से 11:30 बजे तक एवं अपरान्ह 02:30 बजे से 04:30 बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। जनपद में 9006 छात्र छात्राओं द्वारा परीक्षा दी जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि नकलविहीन, सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पन्न कराने हेतु 22 सेक्टर मजिस्ट्रेटों के अलावा प्रत्येक केन्द्र पर एक-एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है, इसके अतिरिक्त रिजर्व सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट रखे गए है। जिलाधिकारी ने परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को सूचित किया है कि परीक्षा प्रारम्भ होने के निर्धारित समय से 45 मिनट पूर्व से ही केन्द्र में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा। प्रथम पाली के परीक्षार्थियों को पूर्वान्ह 08 बजे से परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश प्रारम्भ कराया जाएगा तथा 08:45 के उपरान्त किसी भी दशा में परीक्षा केन्द्र के अन्दर परीक्षार्थी अथवा कोई भी अध्यापक को प्रवेश नहीं होने दिया जाएगा। इसी प्रकार द्वितीय पाली में दोपहर एक बजे से 01:45 बजे तक ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश पा सकेंगे इसके बाद किसी को परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। अतएव सभी परीक्षार्थी समय का विशेष ध्यान देते हुए अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना सुनिश्चित करे।

अभियुक्त को मिली न्यायालय उठने तक की सजा

चित्रकूट। सहायक अभियोजन अधिकारी हरिओम सिंह ने बताया कि न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम सुश्री अंजलिका प्रियदर्शिनी ने अभियुक्त दशरथ पुत्र सुखलाल 2.सुखलाल पुत्र बाबूलाल निवासी ग्राम लौरी को न्यायालय उठने तक की सजा व 2500-2500 रुपये के अर्थदण्ड, सहायक शासकीय अधिवक्ता एसके यादव ने न्यायालय एससी एसटी एनडीपीएस कोर्ट राममणि पाठक ने आरोपी राकेश रैकवार पुत्र भाऊराम निवासी शंकर बाजार को दो वर्ष का कारावास एवं दस हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

समाधान दिवस मे डीएम एसपी ने सुनी समस्यायें

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सभागार कर्वी में किया गया।

जिलाधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का परीक्षण करते हुए निस्तारण आख्या को देखकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का निस्तारण किया जाता है, उन समस्याओं के निस्तारण से समस्या ग्रस्त व्यक्ति को भी अवगत कराया जाए।

इस मौके पर उपजिलाधिकारी सुश्री पूजा साहू, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी उपेन्द्र प्रताप सिंह, पीआरओ प्रवीण सिंह उपस्थित रहे।

राधा रानी बरसाना के नागरिक भू माफिया से मंदिर श्री माताजी बचाने के लिए संपूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों से लगाई गुहार

जनता यूनियन मथुरा । गोवर्धन राधा कुंड बरसाना गोवर्धन तहसील के नगर पंचायत बरसाना में प्राचीन श्री माताजी देवी का मंदिर है मंदिर पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है इस समस्या को लेकर बरसाना के नागरिक समाधान दिवस में मंदिर को बचाने हेतु भूमिया के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया

बरसाना के नागरिक समाजसेवी प्रहलाद खंडेलवाल के नेतृत्व में समाज के एक दर्जन से अधिक व्यक्तियों ने गोवर्धन स्थित तहसील परसों में अपर जिला अधिकारी मथुरा के अध्यक्षता में लगे संपूर्ण समाधान दिवस में यूपी जिला अधिकारी नीलम श्रीवास्तव को निर्देशित किया है कि उपयुक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जन भावना के अनुरूप कार्य करें भूमिया बंदर की छवि को ध्वस्त कर रहे हैं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें वीडियो तूने बताया है कि मंदिर श्री माताजी देवी का प्राचीन मंदिर है और भूमाफिया इसको अवैध निर्माण करके व्यावसायिक पैलेस बनाने में लगे हुए हैं जिसे सब नगरवासी विरोध कर रहे हैं आज तहसील दिवस में माताजी मंदिर को बचाने के लिए यह प्रतिनिधिमंडल प्रमुख रूप से प्रहलाद खंडेलवाल पारभाती ठाकुर भारत सिंह एडवोकेट मनीष मोहन शर्मा पूरनलाल एडवोकेट मैंगो ठाकुर मोहन सिंह बन्नो खंडेलवाल चंद्रभान खंडेलवाल अमित खंडेलवाल के साथ वरिष्ठ अधिवक्ता डॉक्टर केशवाचार्य गोस्वामी युवराज कात्यायन पचौरी ने समाधान दिवस में प्रशासन से मंदिर को बचाने की गुहार लगाई।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजनाओं से युवा कर सेंगे स्वरोजगार

जनता यूनियन मथुरा । मुख्यमन्त्री युवा उद्यमी विकास अभियान (मुख्यमंत्री युवा) योजना का युवाओं के लिए स्वरोजगार के द्वार को खोलेगी। इसके तहत मथुरा सहित प्रदेश के सभी जिलों के शिक्षित व प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर नए सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कर सकते हैं।

योजना हेतु पात्रता शर्तें आवेदक उत्तर-प्रदेश का निवासी होना चाहियें।, आवेदक की आयु 21 वर्ष से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहियें। आवेदक की शैक्षिक योग्यता नयूनतम कक्षा आठ उत्तीर्ण होनी चाहिए। इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण अथवा समकक्ष को वरीयता दी जायेगी, आवेदक सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं जैसे- विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना, अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछडावर्ग प्रशिक्षण योजना/आर सेटी/खादी बोर्ड, उत्तर-प्रदेश स्किल डेवलपमेन्ट मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन आदि में प्रशिक्षित हो अथवा किसी मानता प्राप्त विधालय / शैक्षणिक संस्थान से कौशल संबंधी सर्टीफिकेट कोर्स/डिग्री प्राप्त हों। पूर्व में पीएम स्वनिधि योजना के अतिरिक्त राज्य अथवा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित किसी अन्य योजना में ब्याज अथवा पूँजी उपादान का लाभ प्राप्त न किया हों। योजना के अंतर्गत वित्त पोषण-उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की अधिकतम 5 लाख तक की परियोजनाओं के ऋण पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी एवं 100 प्रतिशत का 04 वर्ष के लिए ब्याज मुक्त ऋण जनपद की बैंक शाखाओं के माध्यम से दिया जायेगा। योजना में आवेदन करने हेतु आवेदन कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, मथुरा में सम्पर्क करें।

- पांच लाख का लोन चार वर्ष के लिए बिना ब्याज के मिलेगा बैंक से

न्यूज ब्रीफ

नंदगांव बीईओ कार्यालय के कंप्यूटर प्रभारी से शिक्षक परेशान

जनता यूनियन मथुरा । नंदगांव विकासखंड में बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्य कर रहे कंप्यूटर प्रभारी की कार्य शैली से ब्लाक के प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिका परेशान हैं।

कंप्यूटर टैक्निकल प्रभारी से परेशान एक प्रभारी प्रधानाध्यापक की मानें तो वह बिना सुविधा शुल्क के कार्य नहीं करता है। शिक्षकों ने इस संबंध में बीईओ शिकायत नहीं की गई। लेकिन उसके विरूद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब शिक्षकों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से उक्त कम्प्यूटर प्रभारी गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत की है। साथ ही शिक्षकों ने उक्त कम्प्यूटर प्रभारी की जांच करके कार्रवाई की मांग की है।

शिक्षक नेता आपातकाल में जेल जाने पर किया सम्मानित

जनता यूनियन मथुरा । उप्रमाशिसंघ ठकुराई के प्रान्तीय कोषाध्यक्ष अयोध्या प्रसाद अग्रवाल शिक्षक आन्दोलन में जेल जाने के लिए सम्मानित किए गए। उनको सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य एवं राज्य पाल पुरस्कार से सम्मानित डा. महीपाल सिंह ने अपने पैतृक गांव ढालगढीं,बाजना में कार्यक्रम आयोजित कर स्मृति चिन्ह देकर शाल उढ़ाकर सम्मानित किया।

ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जनता यूनियन मथुरा । वृन्दावन की गौरानगर कॉलोनी में कुछ दिनों पूर्व घटित घटना में ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश करने वाले आरोपी बॉबी को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर लिया है। मथुरा गेट पुलिस चौकी प्रभारी दुष्यंत कुमार कौशिक ने आज दोपहर लगभग पौने एक बजे गुरुकुल विश्व विद्यालय के निकट एक मैदान से आरोपी को दबोच लिया।

इस सनसनीखेज वारदात के बाद से ही पुलिस ने मामले की तफ्तीश में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। मुखबिर की सूचना पर एसआई कौशिक ने तुरंत हरकत में आते हुए अपने हमराह कांस्टेबल रामपाल यादव और सतेंद्र चौधरी के साथ नियत स्थान की घेराबंदी की। पुलिस की यह जद्दोजहद जल्द ही रंग लाई और आरोपी बॉबी को धर दबोचा गया।

थाना वृन्दावन लाकर आरोपी को एसएचओ रवि त्यागी के समक्ष पेश किया गया। एसएचओ ने आरोपी को तुरंत न्यायालय के सामने पेश करने का हुक्म जारी किया। पुलिस की इस फुर्ती और कुशलता से कानून के शिकंजे में आए आरोपी ने कानून के प्रति अपनी बेबसी जाहिर कर दी। इस कार्रवाई से स्थानीय जनता ने पुलिस की मुस्तैदी और जज्बे की सराहना की है।

बरसाना मंदिर मार्ग पर पलटी मिक्सर मशीन, बड़ा हादसा होने से बचा

- मौके से ट्रेक्टर चालक ट्रेक्टर को छोड़कर भागा, श्रद्धालुओं में मचा हड़कंप
- स्थानीय दुकानदारों ने पल्टी मिक्सर मशीन को उठवाकर रास्ता खुलवाया

जनता यूनियन मथुरा । जयपुर मंदिर से राधा रानी मंदिर मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सेवाएं देने के लिए कार्य कर रही एमवीडीए के ठेकेदार की मिक्सर मशीन शनिवार की दोपहर में पलट गई। मिक्सर मशीन के पलटते ही घबराए ट्रेक्टर चालक ट्रेक्टर छोड़ भाग गया। जिससे दुकानदारों और श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया। स्थानीय दुकानदारों और राधारानी मंदिर के सुरक्षा गार्ड ने मशीन को सीधकर अवरुद्ध रास्ता खुलवाया।

शनिवार को दिल्ली एनसीआर व देश के विभिन प्रान्तों से राधा रानी के दर्शन करने के लिए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ चल रही थी कि वीआईपी मार्ग पर जाटव मोहल्ले से जयपुर मंदिर मार्ग होते हुए राधा रानी मंदिर स्थित रोपवे तक एक ठेकेदार द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को टीन शेड का निर्माण कराया जा रहा था। अचानक दोपहर के समय श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ के दौरान निर्माण कार्य में लगी मिक्सर मशीन पलट गई। मिक्सर मशीन के पलट जाने से घबराए टैक्टर चालक ट्रेक्टर को छोड़कर भाग गया। गनीमत रही कि इस दौरान मशीन की चपेट में कोई भी श्रद्धालु नहीं आया। मिक्सर के पलटने से राधा रानी मंदिर मार्ग अवरुद्ध हो गया। मार्ग के बंद

मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुश चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान मथुरा में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधार्थी एवं अतिथि मंचासीन।

देश के 180 शोधार्थियों ने शोध पत्र किए प्रस्तुत

- पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई

जनता यूनियन मथुरा । उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुश चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान मथुरा के जीव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अनिल कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में संपन्न हुई । जिसमें देश के 180 शोधकर्ता, वैज्ञानिक तथा शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

समापन सत्र में प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि जीव रसायन एवं जैव प्रौद्योगिकी का खाद्य सुरक्षा में हम योगदान है । बढ़ती जनसंख्या के साथ उपजाऊ जमीन का क्षेत्रफल नहीं बढ़ सकता है। ऐसी अवस्था में पशुधन के विभिन्न उत्पाद जैसे दुध, दही, घी, मक्खन, अंडा, मांस आदि खाद्य के प्रमुख स्रोत के रूप में प्रयोग किया जा सकते हैं । उन्होंने समस्त शोधकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पशुओं के गर्मी में आने के सही समय की जानकारी तथा पशुओं के जल्द से जल्द गर्भवती होने हेतु परीक्षण विकसित करें। जिससे पशुपालक किसान अपने पशुओं को समय कृत्रिम गर्भाधान कराकर अच्छी उत्पादकता प्राप्त कर सके।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि, केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम के निदेशक डॉ. मनीष कुमार जेटली ने बताया कि बकरी खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में अहम योगदान देती है । बकरी द्वारा प्राप्त उत्पाद जैसे दूध, मांस आदि खाद्य सुरक्षा के हमारे घटक हैं ।

आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. विकास पाठक ने बताया की पशुओं के विभिन्न उत्पादों को प्रसंस्कृत कर बाजार में उपलब्ध कराना चाहिए। जिससे पशुधन के उत्पादों से पशुपालकों को अच्छी आय प्राप्त हो सके । राष्ट्रीय जीव रसायन संगठन के अध्यक्ष डॉ. बी. पी. मोहंती ने संगठन द्वारा दिए जाने वाले विभिन्न पुरस्कारों के बारे में जानकारी दी। संगठन के महामंत्री डॉ सुभाषीश बताबयाल ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में की गई विभिन्न विषयों की चर्चाओं का सारांश प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सचिव प्रो. अमित सिंह ने संगोष्ठी के दौरान प्रस्तुत किए गए विभिन्न शोध पत्रों की जानकारी दी। आयोजक सचिव प्रोफेसर विजय पांडे ने आगंतुकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया । इस अवसर पर डॉ. नित्यानंद पांडे, प्रो. देश दीपक सिंह, प्रोफेसर अरविंद कुमार त्रिपाठी, प्रो. बृजेश यादव, प्रो. अतुल प्रकाश, प्रो.लक्ष्मी प्रसाद सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक अधिकारी कर्मचारी तथा परास्नातक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शादी के दस माह बाद महिला की संदिग्ध मौत

पिता ने कहा- पाँच लाख नहीं दिए तो कर दी बेटी की हत्या

झांसी जयूसं। शादी के दस माह बाद एक महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। मृतका के पिता का आरोप है कि दहेज में पांच लाख रुपयों की मांग पूरी नहीं की तो बेटी की हत्या की गई है। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। नवाबाद थाना क्षेत्र के जेडीए कॉलौनी के पास स्थित कुम्हार का कुआ के पास विक्की यादव परिवार समेत रहता है। विक्की यादव की 14 फरवरी 2024 को जालौन के नदीगांव में रहने वाले मोहनी यादव से हुई थी। बीती रात मोहनी यादव की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। इसकी जानकारी मृतका के मायके वालों को दी गई।

मृतका के पिता गोविंद सिंह यादव ने बताया कि विक्की यादव का पिता आगरा पुलिस में सिपाही हैं। शादी में हैसियत के अनुसार 15 लाख रुपए नगद और सात लाख रुपए का सामान दिया था। आरोप है कि शादी के बाद ससुरालियों ने पांच लाख रुपयों की मांग की। न देने पर ससुरालियों ने बेटी को परेशान करना शुरु कर दिया था। कई बार रिश्तेदारों को लेकर बेटी के ससुराल आए और समझाइश की, मगर ससुरालीजन तैयार नहीं थी। आरोप है कि ससुरालीजन लगातार दहेज की मांग कर रहे थे।

बेटी मृत अवस्था में मिली

पिता का कहना है कि शुक्रवार को बेटी ने अपनी माँ रानी को फोन लगाया। तब बेटी ने बताया कि दहेज के लिए मारपीट कर रहे हैं। जल्दी आ जाओ। तब हम लोग शाम को झांसी पहुंचे। यहां पर निजी अस्पताल में बेटी की लाश मिली है। मोहनी की मौत के बाद उसके ससुराल वाले भाग गए। मोहनी उनकी इकलौती बेटी थी। पिता ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने कहा- छत से गिरने पर हुई मौत

सीओ सिटी रामवीर सिंह का कहना है कि कुम्हार का कुआं गांव में एक महिला छत से गिर गई थी। उसको परिजनों ने अस्पताल में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

कार ने बाइक सवार प्रधानाध्यापक को कुचला मौत

झांसी जयूसं। कार ने बाइक सवार शिक्षक को टक्कर मार दी जिससे शिक्षक की मौत हो गई। सूचना परगई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम स्यावरी में बृजमोहन परिवार समेत रहता था। वह बेला गांव विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात था। रोजाना की भांति वह बाइक पर सवार होकर विद्यालय जा रहा था। टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम राजापुर मोड़ के पास विपरीत दिशा से तेज गति में आ रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। पुलिस का कहना है कि टक्कर मारकर भागे कार चालक की तलाश की जा रही है।

पिता के जाते ही बेटे ने जहर खाकर दे दी जान

शादी के बाद बेटा को छोड़कर चली गई थी बहू

झांसी जयूसं। पिता के काम पर जाते ही बेटे ने जहर का सेवन कर लिया। हालात बिगड़ने पर उसे मेडिकल कालेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। बताया गया कि शादी के बाद पत्नी छोड़कर चली गई थी। सूचना पर गई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। एरच थाना क्षेत्र के ग्राम बामौर में घनश्याम दास परिवार समेत रहता है। बीते रोज घनश्याम अपने इकलौता बेटा सोनू को घर पर छोड़कर काम पर चला गया था। कुछ देर बाद सोनू ने जहर का सेवन कर लिया, जिससे उसकी हालात बिगड़ गई। उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। इसकी जानकारी लगते ही घनश्याम भी मेडिकल कालेज पहुँच गए। घनश्याम ने बताया कि उसका बेटा मानसिक रुप से परेशान था। उसका इलाज भी चल रहा था। छह साल पहले बेटे की शादी कर दी थी। लेकिन पांच माह बाद बहू बीमारी के कारण बेटे को छोड़कर चली गई और दूसरी शादी कर ली थी। इसका बेटा को कोई गम नहीं था। उनका कहना है कि बेटे को घूमने का बहुत शौक था और वो आठ-आठ दिन घर नहीं आता था। लेकिन हमेशा कहता था कि मर जाउंगा

घर में मातम का माहौल

सोनू की मौत के बाद घर में मातम का माहौल है। उसकी तीन बहनों की शादी हो चुकी है। पिता ने बताया कि तीन बेटियों के बाद बेटा हुआ था। वो जैसा भी था, उसको देखकर जी रहे थे। इकलौटे बेटे की मौत के बाद माता पिता का रो रो कर बुरा हाल है।

न्यूज ब्रीफ

बैलेट पेपर से वोट के द्वारा किया जायेगा बुंदेलखंड राज्य के लिए जनमत संग्रह

झाँसी जयूसं। बुन्देलखण्ड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय ने पत्रकार वार्ता में कहा कि पृथक बुंदेलखंड राज्य निर्माण के प्रति जो जनप्रतिनिधि कभी यह कह कर बुंदेलियो को गुमराह करने का प्रयास करते की मध्य प्रदेश के लोग राज्य निर्माण के लिए तैयार नहीं है तो कभी कह देते है उत्तर प्रदेश के लोग आगे नहीं आ रहे है। कभी कहते है कि नक्शा पूर्ण नहीं है तो कभी कहते है की अधिकांश लोगो को पता ही नही है की राज्य निर्माण के क्या लाभ है। इन सारी बातों के निराकरण का बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा ने इस समस्या का हल तलाश लिया गया हैं, जिसके अन्तर्गत अखण्ड बुंदेलखंड की समस्त विधानसभाओं में दस चरणों में बैलट पेपर से वोटिंग करवाकर दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा। प्रारम्भ में निवाड़ी विधान सभा के ओरछा धाम में 7 जनवरी 2025 को वोटिंग करवाई जायेगी। पत्रकार वार्ता में अशोक सक्सेना एडवोकेट, जगदीश तिवारी, रघुराज शर्मा हनीफ खान, प्रदीप झा आदि उपस्थित रहे।

जहर का सेवन करने से दो लोगों की मौत

झांसी जयूसं। अलग- अलग स्थानों पर जहर का सेवन करने से दो लोगों की मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। बड़ागाँव थाना क्षेत्र के ग्राम बचावली बुजुर्ग निवासी चेतराम ने कतिपय कारणों के चलते विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उपचार के लिए उसे मेडिकल कॉलेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। वहीं, एरच थाना क्षेत्र के ग्राम बामौर निवासी सोनू ने घरेलू विवादों के चलते कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उपचार के लिए उसे मेडिकल कॉलेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। सूचना पर गई पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

युवक को युवती ने चप्पलों से पीटा, भीड़ ने पकड़कर किया पुलिस के हवाले

झांसी जयूसं। घर लौटते समय परेशान कर रहे युवक को युवती ने चप्पलों से पिटाई कर दी। हंगामा देख भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सदर बाजार थाना क्षेत्र के भट्टागांव निवासी पीड़िता ने बताया कि बीती रात वह काम करकेवापस घर लौट रही थी। टैक्सी सेउतरने पर एक युवक पीछा करने लगा। पीछे चलते-चलते युवक कमेंटबाजी करने लगा। पहले युवती ने उसे अनसुना किया, लेकिन आरोपी पीछे-पीछे उसके घर तक आ पहुँचा। हरकतें देख युवती का पारा चढ़ गया। चप्पल उतारकर युवती ने युवक पिटाई कर दी। महिला का कहना है कि युवक अक्सर ही उसके साथ छेड़खानी करता था। इस संबंध में सदर पुलिस का कहना है कि युवक के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

स्मार्ट सिटी में हुये घोटाले की जाँच की माँग मण्डलायुक्त को दिया ज्ञापन

झांसी जयूसं। नगर निगम में स्मार्ट सिटी के नाम पर हुये तीन सौ करोड़ के घोटाले की जाँच की माँग को लेकर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन के साथ दर्जन ों क ांग्रेसियो के साथ मण्डलायुक्त कार्यालय पहुँचकर अपर आयुक्त उमाकान्त त्रिपाठी को दस सूत्रीय ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में कहा गया कि नगर निगम में स्मार्ट सिटी के अंतर्गत ष्ट्र की रिपोर्ट में भी भ्रष्टाचार की पुष्टि हुई है एवं नगर निगम के महापौर के अनुसार 300 करोड रुपए के भ्रष्टाचार का मामला उजागर हुआ है ,जो कि ठेका लेने में ठेकेदार व अधिकारियों के मध्य सांठ-गांठ से संभव हुआ है। महानगर में स्मार्ट सिटी के नाम पर जितने भी कार्य हुये है उनमें अधिक ांश कार्यों में घपला हुआ है। महानगर में महंगी दरों पर एलईडी टेलीविजन व स्ट्रीट लाईट लगवाई गई है। जिसके मेंटेनेंस की जिम्मेदारी अगले 3 साल के लिए कंपनी की है। परंतु अधिकांश स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हुई हैं। स्मार्ट सिटी के अंतर्गत लगाए गए वाटर एटीएम बंद पड़े हुये हैं और शो पीस साबित हो रहे है। महानगर में महंगी दरों पर 34 जिम बनाये गये जिनमें से लगभग 13 से अधिक खराब पड़े हैं और मशीन जंग खा रही हैं। शहर महंगे पिंक टायलेट बनाये गये है जो अनुउपयोगी साबित हो रहे है। नारायण बाग में करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी स्थिति जस की तस है। शहर के विभिन्न पार्कों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। वाकिंग ट्रेक खराब और उखड़े पड़े हुए हैं। सभी पार्कों से टिकट वसूली भी चालू कीगई। इसी प्रकार स्मार्ट सिटी के वर्टिकल पार्कों के स्थिति खराब है। जिसका ठेका करोड़ों रुपए में हुआ था। लक्ष्मी तालाब और आतिया तालाब का विकास करोड़ पर खर्च करने के बाद भी दिखाई नहीं दे रहा है और कार्य अभी भी पूर्ण नहीं हुआ है। लक्ष्मी ताल में जलकुंभी भरी पड़ी है और मोटर बोट भी खराब/बंद पड़ी हुई है।

स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत खरीदी गई महंगी इलेक्ट्रिक कारें अनु उपयोगी साबित हो रही है।इसी तरह शहर में कई स्थानों पर इलेक्ट्रिक रिचार्ज साइकिल स्टैंड बनाए गए परंतु साइकिलें नदारत है। महानगर की कई बनी बनाई सड़कों को उखाड़ कर पुनर्निर्माण किया जा रहा है जिससे धन की हानि हो रही है। पूर्व में एक वरिष्ठ पार्षद द्वारा यह मुद्दा उठाया गया था कि बताया कि प्रेमगंज वार्ड में पिंक टायलेट 9 लाख रुपए की लागत से बनाया गया था । जबकि स्मार्ट सिटी के अंतर्गत यही शौचालय 43 लाख रुपए की लागत से बनाये गये है। ज्ञापन में स्मार्ट सिटी के अंतर्गत किए गए कार्यों में हुए कथित भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच एवं एफ आई आर दर्ज करने की मांग की और कार्यवाही न होने पर 5 जनवरी 2025 से क्रमिक अनशन करने की चेतावनी दी गई । इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में प्रदेश सचिव मनीराम कुशवाहा, मुकेश अग्रवाल, देवी सिंह कुशवाहा, अरविंद बब्लू, नीता अग्रवाल, आशिया सिद्धिकी, शंभू सेन, अखिलेश गुरुदेव, अमीर चंद आर्य, अनिल रिछारिया, नफीश मकरानी, शैलेंद्र वर्मा शीलू, भरत राय, राजकुमार सेन, इंदिरा रायकवार, पार्वती चौधरी, वीरेंद्र सिंह कुशवाहा, अशोक कन्सौरिया, शहनबाज खान, एम सी वर्मा, कार्तिक पटैरिया, रिषभ दोसाज,धर्मेंद्र यादव, विजय रैकवार, जे के जैन, राजेश रानी, हरिओम ब्रजवासी, नीरज सेन, स्टेला मसीह, दीपक मिश्रा, दिनेश कुमार वर्मा , वसीमउद्दीन, इमरान खान, पवन राज, रोवेश खान, वीरेंद्र झां बन्टी, शैलेष चतुर्वेदी, अशोक कौशल, कुलदीप दुबे, काशीराम सेन, धर्मेंद्र श्रीवास्तव आदि शामिल रहें।

चिरगांव पुलिस को मिली बड़ी सफलता,मोटर पम्प चोरों को पकड़ा,भेजा जेल

चिरगांव (झांसी)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी के कुशल निर्देशन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मोठ के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व मे अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत 19 दिसम्बर 2024 की बीती रात्रि ग्राम गुलारा से अम्बिका प्रसाद राजपूत पुत्र महादेव राजपूत के खेत में स्थित पम्पिंग सेट से अज्ञात चोरों द्वारा मोटर पम्प को चोरी कर लिया गया था जिसके सम्बन्ध में अम्बिका प्रसाद राजपूत द्वारा थाने में अज्ञात चोरों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत करवाया गया था जिसकी विवेचना उपनिरीक्षक बीरपाल सिंह को सुपुर्द की गई थी शुक्रवार 20 दिसंबर को रात्रि करीब साढ़े दस बजे मुखबिर खास की सूचना पर थाना क्षेत्र के ग्राम बरल बाइपास पर स्थित प्रतीक्षालय से उक्त चोरी की गयी मोटर पम्प सहित कुल तीन नफर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर मोटर पम्प बरामद किया गया व चोरों के विरूद्ध सुसंगत विधिक कानूनी कार्यवाही की गई।गिरफ्तार अभियुक्तों में सचिन अहिरवार पुत्र प्रेमलाल निवासी ग्राम मैरी थाना नवाबाद जिला झाँसी व देवेन्द्र राजपूत पुत्र गनेशी लाल राजपूत निवासी ग्राम बझेरा थाना चिरगांव जिला झाँसी एंव कृष्णपाल कोरी पुत्र घनश्याम कोरी निवासी कछियाना मुहल्ला,तालपुरा थाना नवाबाद जिला झाँसी है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक बीरपाल सिंह,हैड कांस्टेबल अजमत उल्ला,हैड कांस्टेबल इन्दल सिंह, कांस्टेबल शिवम सिंह, कांस्टेबल राहुल कुमार सोगरवाल शामिल रहे।

श्रीरामवन गमन व केवट प्रसंग का कथा व्यास ने सम्पूर्ण वृतांत

झांसी जयूसं। श्री पठलेश्वर महादेव मंदिर नगरा में श्री रामराजा सरकार सेवा समिति के तत्वावधान में चल रही श्री राम कथा के छठवें दिन की कथा का बखान करते हुए कोलकाता से पधारे कथा व्यास शंभू शरण लाटा द्वारा श्री राम वनवास एवं केवट प्रसंग की संस्कारों एवं भक्ति पूर्ण प्रसंग से परिपूर्ण कथा के प्रस्तुतिकरण से श्रोता भक्ति रस सराबोर हो गए। केवट संवाद सुनाकर अटल भक्ति का चित्रण किया।

कथा के पूर्व मुख्य यजमान श्रीमती ममता सत्य प्रकाश शर्मा द्वारा विधि विधान से पूजन अर्चन एवं महा आरती कर कथा का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात कथा का शुभारंभ करते हुए कथा व्यास शंभू शरण लाटा ने श्री राम वनवास की कथा सुनाते हुए कहा कि मनुष्य के दुखों का कारण जो उसे मिला उसमें वह संतुष्ट नहीं यही दुख का कारण है भगवान ने हाथों को अच्छाई दी तो विचार नीचे ना रखो ।मंदबुद्धि दूसरों के सुखों में दुखी हो जाते हैं ।विधि का विधान निश्चित होता है। प्रभु का विधान निश्चित होता है ।

श्री राम वनवास विधि की योजना थी लेकिन कलंक उसके माध्यमों को लगा। सत्य तुम्हारी जितनी रक्षा करेगा संसार में उतनी कोई नहीं कर सकता हम दूसरों की उलझन को सुलझाने में सक्षम है अपनी उलझने नहीं सुलझती हैं। श्री राम जी से सीखो समाज के लिए श्री राम का चरित्र संपूर्ण सदा चरण शिक्षा है।माता पुत्रवती वही जिसका पुत्र भगवान का भक्त हो ,पुत्र वही जो कुल का उद्धार कर दे, किए कर्मो का फल भुगतना ही पड़ता है । पापों का फल भी भुगतना होता है वह कभी निष्फल नहीं होता है। उन्होंने कहा आज समाज में बढ़ती विकृतियों और कुसंस्कारों के लिए राम कथा की अति आवश्यकता है।शास्त्रों की बातें मानो, पाखंड से कुछ नहीं होगा ।उन्होंने श्री राम वनवास के अत्यंत मार्मिक प्रसंगों का वर्णन कर लोगों को भाव विभोर कर शोकाकुल कर दिया। इस अवसर पर शंकर लाल थापक, दीपक सोनी, हरिमोहन सोनी, मुकेश ठेकेदार, मनीष सोनी, अखिलेश गुप्ता, केशव शर्मा, प्रतीक शर्मा, प्रमोद राय आदि उपस्थित रहे। कथा के सातवें दिन रविवार सीता हरण एवं शबरी प्रसंग की कथा सुनाई जाएगी।

नव प्रवेशित विद्यार्थियों का लैम्प लाइटिंग, ओथ टेकिंग सेरेमनी का आयोजन

झाँसी जयूसं। श्रीमती विद्यावती कॉलेज ऑफ नर्सिंग में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का लैम्प लाइटिंग, ओथ टेकिंग सेरेमनी का आयोजन बी.एस.सी. नर्सिंग, जी.एन.एम., एवं ए.एन.एम. में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं ने ली सेवा एवं त्याग की भावना से कार्य करने की शपथ। श्रीमती विद्यावती ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स के तत्वाधान में श्रीमती विद्यावती कॉलेज ऑफ नर्सिंग के बी.एस.सी. नर्सिंग, जी.एन.एम., एवं ए.एन.एम. में प्रवेशित छात्र-छात्राओं का लैम्प लाइटिंग एवं ओथ टेकिंग सेरेमनी संस्थान के परिसर में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य बतौर अतिथि डॉ. बाबू लाल तिवारी एम.एल.सी इलाहाबाद-झाँसी एवं डॉ .अंशुल जैन पैरामेडिकल -कॉलेज , आचार्य पं.हरिओम पाठक -गुरूजी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती विद्यावती ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स के चेयरमेन विद्यानिधि मिश्र नेकी। विशिष्ट अतिथि सचिव मानस मिश्र, कोषाध्यक्ष आर. के. चतुर्वेदी रहे। शुभारम्भ में अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं तिलक वंदन कर दीप प्रज्जवलित किया । संस्थान के स्टॉफ के द्वारा बैज अलंकरण एवं पौधे भेंटकर अतिथिओं का स्वागत किया। नर्सिंग की छात्राओं ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किया। नर्सिंग प्राचार्य प्रो.डॉ. वीरेन्द्र सिंह चौधरी ने संस्थान की वार्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुये नर्सिंग संकाय में लैम्प लाइटिंग का महत्व एवं उसके उद्देश्य पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर संस्था के चेयर मेन साहब सेवा एवं त्याग की मूर्ति, नर्सिंग की जनक लेडी विद् द लैम्प के नाम से मशहूर फ्लोरेंस नाइटएगल के चित्र के समक्ष केंडिल की जलती हुई लौ के साथ नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को सेवा और त्याग की भावना एवं बिना किसी जाति तथ लिंग भेदभाव रहित मानव सेवा की शपथ दिलाई। नर्सिंग केवल मरीजों की देखभाल तक ही सीमित नहीं हैं इसमें एजुकेशन, एडमिन और रिसर्च के क्षेत्र में भी अनेक सुनहरे अवसर हैं। विशिष्ट अतिथि आचार्य पं. हरिओम पाठक ने कहा कि मरीजों के साथ मानवीय व्यवहार एवं कार्य के प्रति निष्ठा के कारण भारतीय नर्सें विश्व में सबसे अच्छी मानी जाती हैं । इसलिए विश्व में भारतीय नर्सों क ी मांग सबसे अधिक हैं। डॉ. अंशुल जैन एवं डॉ. जितेन्द्र तिवारी ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना में स्वास्थ सेवाओं में दिये गये योगदान के लिए नर्सेज की भूमिका हमेशा श्रद्वा की पात्र रहेगी। इस अवसर पर संस्थान में शैक्षिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रर्दशन करने वाले छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्र/छात्राओं द्वारा वेलकम साँग, लोकनृत्य, गुजराती, राजस्थानी, कश्मीरी, संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस अवसर पर,कॉडिनेटर भूपेन्द्र सिंह सेंगर , विज्ञान सिंह एसोसियेट प्रो फेसर , फार्मेसी विभागाध्यक्ष कुलदीप कुमार, आई.टी.आई प्राचार्य संजय प्रजापति श्रीमती आई.चरण, मनोज, राहुल कटारा, अभिषेक इब्राहिम, श्रीमती निष्ठा ठाकुर, अर्पिता फिलिपस जैकाब, सुजाता पुनिया, मि. स्मिता, श्रीमती निर्मला, श्रीमती वर्षा, मि. संध्या पाल, आईवा हैरहड, श्रीमती आरती, शिवानी, आकांक्षा, शैलेन्द्र नामदेव, अभिषेक विश्वास, श्रीमती प्रियंका, मि. सोनी यादव, समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन सोनाली क्रोजियर ने तथा अतिथियों का आभार श्रीमती दीपा मिश्रा ने व्यक्त किया।

पेंशन अदालत 22 मेंसे 18 प्रकरणों का हुआ निस्तारण

झाँसी जयूसं। उत्तर मध्य रेलवे झांसी मंडल द्वारा वरिष्ठ रेलवे संस्थान झांसी में वर्ष 2024 की द्वितीय पेंशन अदालत का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा की अध्यक्षता मेंसम्पन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में मंडल कार्मिक अधिकारी अरुण सिंह तोमर ने उपस्थित अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए पेंशन अदालत में निस्तारित किए गए प्रकरणों पर प्रकाश डाला और पेंशनभोगियों को आवश्यक सुझाव दिए। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा ने पेंशनभोगियों की भुगतान से संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण की महत्ता पर जोर दिया और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन अदालत का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। पेंशन अदालत में कुल 22 प्रकरणों में से 18 का निस्तारण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों में कार्यवाही प्रगति पर है और उन्हें शीघ्र निपटाने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 07वें वेतन आयोग के संशोधित पी.पी.ओ. प्रदान किए। इसके अतिरिक्त, पेंशन अदालत में प्राप्त प्रकरणों के तहत एनईएफटी के माध्यम से 3,64,476/- (तीन लाख चौसठ हजार चार सौ छिहत्तर रुपये) का भुगतान किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक संतोष कुमार, सहायक कार्मिक अधिकारी अशोक कुमार मीना, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक रवि कुमार सविता, और सहायक मंडल वित्त प्रबंधक एम.के. नामदेव उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया।

cmyk +

सिंगल यूज प्लास्टिक एंटीबायोटिक के असर को करती है कम

पीबीएनपी ऑक्सीडेटिव तनाव और जीवाणु सतहों को पहुंचाता है नुकसान

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के स्वायत्त संस्थान नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, मोहाली के वैज्ञानिकों ने पाया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक बोतलों से प्राप्त नैनोप्लास्टिक एंटीबायोटिक रेसिस्टेन्स को बढ़ा सकता है।

प्लास्टिक प्रदूषण और एंटीबायोटिक प्रतिरोध के संयुक्त खतरों के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच, नैनोस्केल पत्रिका में प्रकाशित नए अध्ययन में एक अज्ञात सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम को रेखांकित किया गया है। शोध में कहा गया कि नैनो प्लास्टिक और सूक्ष्मजीव मानव आंत सहित विविध वातावरणों में सह-अस्तित्व में रहते हैं जो स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। शोध में टीम ने पता लगाया कि प्लास्टिक के नैनो कण बैक्टीरिया को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने लैक्टोबैसिलस एसिडोफिलस पर ध्यान केंद्रित किया, जो आंत के माइक्रोबायोटा में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है। डॉ. मनीष सिंह और उनकी टीम ने इस बात की जांच की है कि क्या नैनो प्लास्टिक लाभकारी बैक्टीरिया को एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी जीन के वाहक में बदल सकता है और

मानव आंत माइक्रोबायोम स्वास्थ्य के लिए जोखिम

मानव आंत माइक्रोबायोम स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा कर सकता है।

उन्होंने प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग पर्यावरण के लिए प्रासंगिक नैनोप्लास्टिक कणों को संश्लेषित करने के लिए किया, क्योंकि ये पॉलीइथिलीन टेरेफ्थेलेट बोतल से प्राप्त नैनोप्लास्टिक, एकल उपयोग वाली प्लास्टिक की बोतलों और कंटेनरों के डंपिंग के कारण उत्पन्न वास्तविक नैनोप्लास्टिक का बेहतर प्रतिनिधित्व करते हैं।

वैज्ञानिकों ने प्रदर्शित किया कि पीबीएनपी क्षैतिज जीन स्थानांतरण (एचजीटी) नामक प्रक्रिया के माध्यम से ई. कोली से लैक्टोबैसिलस एसिडोफिलस में क्रॉस-स्पीशीज जीन स्थानांतरण को सुविधाजनक बना सकता है। यह विशेष रूप से बैक्टीरिया में बाहरी झिल्ली पुटिका (ओएमवी) स्राव के माध्यम से होता है। उन्होंने बताया कि दो नए तंत्र हैं जिनके माध्यम से पीबीएनपी एंटीबायोटिक प्रतिरोध जीन स्थानांतरण को सुविधाजनक बनाते हैं। उनमें से एक प्रत्यक्ष परिवर्तन मार्ग के माध्यम से है जिसमें पीबीएनपी भौतिक वाहक के रूप में कार्य करते हैं जो बैक्टीरिया की झिल्लियों के पार एंटीबायोटिक प्रतिरोध प्लास्मिड का परिवहन करते हैं और बैक्टीरिया के बीच प्रत्यक्ष जीन स्थानांतरण को बढ़ावा देते हैं।

दूसरा तरीका ओएमवी इंड्यूस्ड ट्रांसफर पाथवे के माध्यम से है, जिसमें पीबीएनपी ऑक्सीडेटिव तनाव और जीवाणु सतहों को नुकसान पहुंचाता है, जो तनाव प्रतिक्रिया जीन को सक्रिय बनाता है और बाहरी झिल्ली पुटिका (ओएमवी) स्राव में वृद्धि को सक्रिय करता है।

वैज्ञानिकों ने तेज गति से चलने के बारे में किया खुलासा

मोटे लोगों में मेटाबॉलिक डिजीज संबंधी बीमारियां होंगी कम

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। एक शोध में यह बात सामने आई है कि चलने की गति से यह पता लगाया जा सकता है कि किसी व्यक्ति को मोटापे के कारण कोई स्वास्थ्य समस्या तो नहीं है।

साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि तेज गति से चलने से मोटे लोगों में मेटाबॉलिक डिजीज संबंधी बीमारियों को रोका जा सकता है। यह गतिशीलता बढ़ाने में मदद करने के साथ खराब स्वास्थ्य का संकेत भी दे सकता है। पिछले अध्ययनों ने सुझाव दिया है कि धीमी गति से चलने से हृदय संबंधी बीमारियों के विकास और बुजुर्गों में मृत्यु दर के जोखिम में वृद्धि होती है।

जापान में दोशीशा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन ने मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों में चलने की गति और चयापचय रोग (मेटाबॉलिक डिजीज) के बीच संबंध का पता लगाया। निष्कर्ष बताते हैं कि यह आकलन करना कि कोई व्यक्ति अपने साथियों की तुलना में अपनी चलने की गति को कैसे समझता है। यह स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन सकता है।

- तेज गति से चलने से चयापचय रोगों का जोखिम कम
- मोटापे से ग्रस्त 8,578 व्यक्तियों पर अध्ययन

विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कोजिरो इशी ने कहा कि इस शोध ने स्पष्ट किया कि मोटापे से ग्रस्त चयापचय संबंधी बीमारियों से घिरा व्यक्ति अगर अपनी चलने के गति तेज रखता है तो उसमें उच्च रक्तचाप, मधुमेह और डिस्लिपिडेमिया की संभावना कम होती है। अध्ययन के अनुसार, जो व्यक्ति तेजी से चलते हैं वे अधिक फिट हो सकते हैं और उनमें चयापचय रोगों का जोखिम कम होता है।

टीम ने बताया कि तेज चलने से हृदय-श्वसन तंत्र सही रहता है, साथ ही सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव का स्तर भी कम होता है, जो चयापचय संबंधी बीमारियों के दो प्रमुख कारण हैं।

अध्ययन में मोटापे से ग्रस्त 8,578 व्यक्तियों, उच्च कमर परिधि वाले 9,626 व्यक्तियों और दोनों मानदंडों को पूरा करने वाले 6,742 व्यक्तियों की चलने की गति का आकलन किया गया। परिणामों से पता चला कि जो लोग तेज चलते थे, उनमें मधुमेह का जोखिम काफी कम था (30 प्रतिशत कम) और उच्च रक्तचाप और डिस्लिपिडेमिया के जोखिम में छोटी लेकिन उल्लेखनीय कमी आई।

कनाडा में भारतीय व्यवसायियों पर आर्थिक उत्पीड़न और धार्मिक भेदभाव : डॉ. कृष्णन

नई दिल्ली (एजेंसियां)। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीमबेस्ट ग्लोबल कंपनियों के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. कृष्णन सुतंथिरन ने कनाडा में भारतीय व्यवसायियों के साथ हो रहे आर्थिक और धार्मिक भेदभाव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार पर भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ षड्यंत्रकारी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार का उल्लंघन करार दिया।

डॉ. सुतंथिरन ने कहा, 'कनाडा में भारतीय हिंदू प्रवासी के खिलाफ बढ़ती ज़ेनोफोबिया की लहर न्याय और गरिमा के सिद्धांतों को ठेस पहुंचा रही है। ये केवल अधिकार नहीं हैं, ये हमारे अस्तित्व के आधारभूत सिद्धांत हैं।'

भारतीय मूल से जुड़े होने पर गर्व व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी पूरे विश्व में शांति, प्रगति और समृद्धि का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने अपनी 'प्राउड इंडियन पार्टी' के माध्यम से शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सभी भारतीय नागरिकों के लिए सुलभ और मुफ्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

डॉ. सुतंथिरन ने अपने लंबे अनुभव और वैश्विक स्वास्थ्य में योगदान का जिक्र करते हुए कैंसर, डायबिटीज़ और हृदय रोगों की प्रारंभिक पहचान और इलाज पर जोर दिया। उन्होंने भारत में भ्रष्टाचार और लालफीताशाही पर चिंता व्यक्त की, लेकिन यह भी कहा कि भारत वैश्विक स्वास्थ्य और विनिर्माण क्षेत्र में नेतृत्व करने की पूरी क्षमता रखता है।

तेजस्वी प्रकाश के लिए भोजन 'प्रेम की भाषा'

मुंबई, (एजेंसियां)। लोकप्रिय कुकिंग-आधारित शो 'मास्टर शेफ इंडिया' में टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश भाग लेने को तैयार हैं। उत्सुक अभिनेत्री ने भोजन को एक प्रेम भाषा बताया। शो में शामिल होने के बारे में बात करते हुए तेजस्वी ने कहा कि रियलिटी टीवी शो ने मुझे निडर होना सिखाया है, लेकिन नेशनल टेलीविजन पर खाना बनाने को लेकर थोड़ी घबराहट है। मेरा वास्तव में मानना है कि भोजन एक प्रेम की भाषा है, इसलिए मैंने दर्शकों को प्रभावित करने के लिए अपना दिल (पाक कौशल) दांव पर लगाने का फैसला किया और मुझे उम्मीद है कि यह सफलता की

वजह बनेगा। लोकप्रिय टीवी शो 'मास्टरशेफ इंडिया' का नया सीजन 'सेलिब्रिटी मास्टर शेफ - अब उन सबकी सीटी बजेगी' सेलिब्रिटी प्रतियोगियों के साथ दर्शकों के सामने आने को तैयार है। इस शो में हस्तियां अपने पाक कौशल का प्रदर्शन करते और रसोई में अपनी योग्यता दिखाते नजर आएंगे। लोकप्रिय टेलीविजन और इंटरनेट की हस्तियां प्रतियोगियों के रूप में शामिल होंगी। 'सेलिब्रिटी मास्टर शेफ' इंडिया 2024 के लिए पुष्टि किए गए प्रतियोगियों में गौरव खन्ना, उषा नादकर्णी, दीपिका कक्कड़, राजीव अदातिया और कॉमेडियन चंदन प्रभाकर जैसे लोकप्रिय टेलीविजन के चेहरे शामिल हैं।

धूम मचाने के लिए तैयार है कियारा आडवाणी

मुंबई, (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी अपनी वर्सेटिलिटी और स्टार पावर को दिखाते हुए आने वाली फिल्मों की एक प्रभावशाली लाइन-अप के साथ दर्शकों को चकित करने के लिए तैयार हैं। वर्ष 2025 में रिलीज के लिए निर्धारित, फिल्म गेम चेंजर प्रशंसित एस. शंकर द्वारा निर्देशित है। इस फिल्म में कियारा राम चरण के साथ हैं, जो एक डायनामिक ऑन-स्क्रीन जोड़ी का वादा करता है। शंकर के दूरदर्शी निर्देशन के साथ, फ़िल्म 'गेम चेंजर' कियारा के करियर में एक प्रमुख आकर्षण होने की उम्मीद है। एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट टॉक्सिक है, जो दर्शकों के लिए एक फेरीटेल है, जिसे गीतू मोहनदास ने लिखा और निर्देशित किया है। कियारा इस फिल्म में

यश के साथ स्क्रीन साझा करेंगी, जो उनके विविध पोर्टफोलियो में उत्साह की एक और परत जोड़ देगा। अयान मुखर्जी की ब्लॉकबस्टर वॉर की महत्वाकांक्षी सीक्वल में ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी एक साथ नज़र आएंगे। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस और मनोरंजक ड्रामा देने का वादा करती है, जो कियारा की एक डायनामिक और पावरहाउस कलाकार के रूप में स्थिति को और मजबूत करती है। कियारा आइकोनिक 'डॉन' फ्रैंचाइज़ी की बहुप्रतीक्षित तीसरी क़िस्त में भी दिखाई देंगी। फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित, इस स्टाइलिश और एक्शन से भरपूर थ्रिलर में वह रणवीर सिंह के साथ नज़र आएंगी।

यूपीएए अवार्ड्स 2024 से सम्मानित हुई बॉलीवुड की कई हस्तियां

लखनऊ, (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को बॉलीवुड की कई नामचीन हस्तियों समेत विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाले दिग्गजों को उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट एसोसिएशन (यूपीएए) अवार्ड्स 2024 से सम्मानित किया गया।

फिल्म निर्माता नितिन मिश्रा द्वारा आयोजित 31वें अवार्ड समारोह में प्रसिद्ध लेखक और निर्देशक राज शांडिल्य, बॉलीवुड के प्रसिद्ध निर्देशक फिल्म निर्माता लेखक अंदाज-2 के सुनील दर्शन, इम्पा अध्यक्ष और निर्देशक अभय सिन्हा, इंडियन आइडल के ऋषि सिंह और 14वें सीजन के विजेता वैभव गुप्ता, सा रे गा मां पा के पार्श्व गायक विनीत सिंह को सम्मानित किया गया। फ़िल्मी अभिनेताओं में राहुल रॉय, अरुण बक्शी, फैज़ान कुरैशी, अनिल रस्तोगी, रजनीश दुग्गल, अंशुमान, शरद मल्होत्रा, विक्रम कोचर, संजय गंगनानी, मनीष राय सिंघानिया, रणदीप राय और रोहन गंगोतरा को अवार्ड दिए गए। साथ ही अभिनेत्री चाहत खन्ना, आम्रपाली दुबे, तूलिका बनर्जी, गुरप्रीत कौर, अभिनेत्री निशि, अभिनेत्री शाइनी दीक्षित, कनक पांडे, नियति सुरेश फतनानी को सम्मानित किया गया। अवॉर्ड समारोह का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, बेबी रानी मौर्या मंत्री, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी ने किया। यूपीपीए अवॉर्ड समारोह 2024 के दौरान मिस्टर यूपी और मिस यूपी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें देवेंद्र प्रताप सिंह ने मिस्टर यूपी और तनिष्का शर्मा ने मिस यूपी का खिताब अपने नाम किया।

सीआईडी के नए एपिसोड काफी रोमांचक होंगे, जिनमें नई और विविधतापूर्ण कहानियां होंगी : शिवाजी साटम

मुंबई, (एजेंसियां)। जानेमाने चरित्र अभिनेता शिवाजी साटम का कहना है कि सीआईडी के नए एपिसोड काफी रोमांचक होंगे, जिनमें नई और विविधतापूर्ण कहानियां दर्शकों को देखने को मिलेगी। 'सीआईडी' 21 दिसम्बर 2024 से सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर शानदार वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार है, और यह हर शनिवार-रविवार रात 10 बजे प्रसारित होगा। शिवाजी साटम (एसीपी प्रद्युमन), दयानंद शेट्टी (दया), और आदित्य श्रीवास्तव (अभिजीत) प्रशंसकों के पसंदीदा इस ड्रामा में अपनी भूमिकाएं दोहराएंगे।

अभिनेता शिवाजी साटम (एसीपी प्रद्युमन) ने शो में लौटने और दर्शकों के साथ फिर से जुड़ने के उत्साह के बारे में बात की, और बताया कि नए सीज़न में पुरानी यादों का मिक्स और नए, आकर्षक मामलों के साथ ही बहुत कुछ होगा। उन्होंने कहा,नए एपिसोड काफी रोमांचक होंगे, जिनमें नई और विविधतापूर्ण कहानियां होंगी। उनमें जांच करने की आधुनिक तकनीकों को शामिल

किया जाएगा, जिससे दर्शकों के लिए केस और किरदारों के सामने आने वाली चुनौतियों से कनेक्ट कर पाना आसान हो जाएगा।

शिवाजी साटम ने कहा,शो की मूल भावना वही रहेगी, लेकिन इसे ज़्यादा दिलचस्प और अपडेट तरीके से पेश किया जाएगा। इतने सालों के बाद, उसी पुराने चश्मे के साथ शो को पेश करना समझदारी भरा फैसला नहीं होता, खासकर तब जब दर्शकों की उम्मीदें बढ़ गई हों। आप जैसे लोग जिन्होंने बचपन में सीआईडी देखा था, और कॉलेज और उसके बाद भी इसे उतना ही पसंद किया, शो के प्रति उनका प्यार हमेशा बना रहेगा। अब, उम्मीदें और भी ज़्यादा बढ़ गई हैं, और हमारा लक्ष्य उन उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरना है। हम सीआईडी को खास बनाने वाली चीज़ों को अपनाते हुए कुछ रोमांचक, आकर्षक और नया पेश करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। इस बार, इसे बेहतर होना होगा, और हमें पूरा भरोसा है कि यह बेहतर होगा।

शिवाजी साटम ने कहा,इतने सालों तक सीआईडी और मेरा समर्थन करने वाले सभी फैंस को, मैं तहे दिल से बहुत-बहुत शुक्रिया कहना चाहता हूं। आपका प्यार और निष्ठा हमारे लिए बहुत मायने रखती है, और यह आपके कारण ही है कि सीआईडी भारतीय टेलीविज़न का इतना लोकप्रिय हिस्सा बना हुआ है। जबकि शो अपनी वापसी कर रहा है, हम रोमांचक कहानियां, दिलचस्प मामले, और निश्चित रूप से, आपके दिलों को छू जाने वाले पलों को पेश करना जारी रखने का वादा करते हैं। मुझे उम्मीद है कि आप सभी इस नए सीज़न को देखते रहेंगे और हमारा समर्थन करते रहेंगे। याद रखें, न्याय कभी रुकता नहीं है और न ही एसीपी प्रद्युमन! देखते रहिए, और हम एक बार फिर आपका मनोरंजन करने के लिए उत्सुक हैं।

प्रयागराज के दशाश्वमेध घाट पर स्थापित हैं सृष्टि के प्रथम पूज्य श्री आदि गणेश

महाकुंभनगर, (एजेंसियां)। तीर्थराज प्रयागराज सनातन आस्था की प्रचीनतम नगरियों में से एक है। प्रयागराज में अति प्राचीन एवं विशिष्ट मान्यताओं के कई मंदिर हैं, जिनका वर्णन वैदिक वांग्मय और पुराणों में आता है। उनमें से ही एक अति विशिष्ट मंदिर है दारागंज स्थित ऊंकार आदि गणेश भगवान का मंदिर।

पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान गणेश जी ने सृष्टि में सर्वप्रथम प्रतिमा रूप यहां गंगा तट पर ही ग्रहण किया था। इस कारण ही इन्हें आदि गणेश कहा गया। यह सृष्टि के आदि व प्रथम गणेश हैं। मान्यता है इनके दर्शन और पूजन के बाद प्रारंभ किया गया कार्य निर्विघ्न पूरा होता है। मंदिर में स्थापित श्री गणेश विग्रह की प्राचीनता के विषय में सही ढंग से कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन मंदिर का जीर्णोद्धार 1585 ईस्वी में राजा टोडरमल ने करवाया था। महाकुंभ-2025 के अवसर पर सीएम योगी के मार्गदर्शन में इस मंदिर का सौंदर्यीकरण हो रहा है।

तीर्थराज प्रयागराज को सृष्टिकर्ता भगवान ब्रह्मा की यज्ञ स्थली माना गया है। पौराणिक मान्यता के अनुसार ब्रह्मा जी ने सृष्टि का प्रथम यज्ञ प्रयागराज में किया था, जिसके कारण यह क्षेत्र प्रयागराज के नाम से जाना जाता है। इसी पौराणिक कथा के अनुसार सर्वप्रथम इसी क्षेत्र में गंगा तट पर त्रिदेव, ब्रह्मा, विष्णु और महेश के संयुक्त रूप ऊंकार ने आदि गणेश का मूर्ति रूप धारण किया था, जिनके पूजन के बाद ब्रह्मा जी ने इस धरा पर दस अश्वमेध यज्ञ किए। यही कारण है कि यह गंगा तट दशाश्वमेध घाट कहलाया और भगवान गणेश के इस विग्रह को आदि ऊंकार श्री गणेश कहा जाता है।

मंदिर के पुजारी सुधांशु अग्रवाल का कहना है कि कल्याण पत्रिका के गणेश अंक में वर्णन है कि आदि कल्प के प्रारंभ में ऊंकार ने मूर्तिमान होकर गणेश जी का रूप धारण किया। उनके प्रथम पूजन के बाद ही सृष्टि सृजन का कार्य प्रारंभ हुआ। शिव महापुराण के अनुसार भगवान शिव ने भी त्रिपुरासुर के वध के पहले आदि गणेश का पूजन किया था। आदि गणेश रूप में भगवान गणेश के विघ्नहर्ता और विनायक दोनों रूपों का पूजन होता है।

पुजारी सुधांशु अग्रवाल बताते हैं कि मंदिर में स्थापित गणेश प्रतिमा की प्राचीनता के विषय में स्पष्ट रूप से कुछ ज्ञात नहीं है। लेकिन, उनके पूर्वजों के दस्तावेज बताते हैं कि मंदिर का जीर्णोद्धार 1585 ईस्वी में अकबर के नवरत्न राजा टोडरमल ने करवाया था। जब 16वीं सदी में राजा टोडरमल, अकबर के महल का निर्माण करवा रहे थे। उसी कालखंड में उन्होंने श्री आदि गणेश जी की मूर्ति की गंगा तट पुनर्स्थापना करवाई और मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था।

उन्होंने बताया कि श्री आदि गणेश का पूजन विशेष रूप से माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन होता है। इनके पूजन के बाद प्रारंभ किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न पूर्ण होता है। श्रद्धालु दूर-दूर से मान्यता पूरी होने पर विशेष पूजन के लिए भी आते हैं। महाकुंभ-2025 के आयोजन में सीएम योगी के मार्गदर्शन में श्री आदि गणेश मंदिर को चित्रित और सौंदर्यीकृत करने का काम किया जा रहा है।

हल्के में न लें, वायु प्रदूषण गले को कर रहा खराब

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण अति गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। महीने भर से सिलसिला जारी है हालांकि बीच में कुछ हद तक स्थिति नियंत्रण में थी लेकिन एक बार फिर एक्यूआई ने लोगों की पेशानी पर बल डाल दिया है। प्रदूषण से कान, नाक और गले पर भी बुरा असर पड़ता है। हाल ही में इसे लेकर दिल्ली में एक सर्वे कराया गया, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य निकल कर सामने आए। हेल्थकेयर प्रदाता प्रिस्टीन केयर द्वारा कराए सर्वेक्षण में दिल्ली, मेरठ, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद, रोहतक, चंडीगढ़, कानपुर आदि शहरों के 56,176 व्यक्तियों को शामिल किया गया। इनमें से लगभग आधे (41 प्रतिशत) ने उच्च प्रदूषण की अवधि के दौरान आंखों से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं में उल्लेखनीय वृद्धि देखी, जबकि 55 प्रतिशत ने अपने कान, नाक या गले को प्रभावित करने वाली समस्याओं की बात बताई। इनमें से 38 प्रतिशत ने प्रदूषण की वजह से आंखों में जलन

उच्च प्रदूषण की अवधि के दौरान आंखों से संबंधित स्वास्थ्य समस्या

और सूजन की शिकायत की है। इसके प्रभावित लोगों में आंखें में लालिमा और खुजली जैसे आम लक्षण दिखाई दिए।

लोगों ने प्रदूषण बढ़ने के दौरान इन बीमारियों में वृद्धि का उल्लेख किया। इसमें गले में खराश, नाक में जलन और कान में तकलीफ जैसी ईएनटी समस्याएं भी शामिल थीं। इन स्वास्थ्य समस्याओं ने दीर्घकालिक चिंताएं पैदा की।

इस सर्वेक्षण में यह बात सामने आई कि ईएनटी समस्याओं से जूझ रहे 68 प्रतिशत लोग स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों से परामर्श नहीं करते।

प्रिस्टिन केयर के ईएनटी सर्जन डॉ. धीरेंद्र सिंह ने बताया कि खतरनाक वायु गुणवत्ता सभी के स्वास्थ्य के लिए चिंताजनक है। बच्चे विशेष रूप से इसके प्रति संवेदनशील हैं। ऐसी हवा के संपर्क में आने से नाक और कान में संवेदनशील श्लेष्म झिल्ली में जलन हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप समय के साथ पुरानी स्थितियां हो सकती हैं। इन सबसे बचने के लिए बाहरी संपर्क को कम करना, मास्क पहनना और हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। इसके साथ ही आंखों के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

वही प्रिस्टिन केयर के सह-संस्थापक डॉ. वैभव कपूर ने कहा कि यह जानकर आश्चर्य होता है कि लोग प्रदूषण और स्वास्थ्य पर इसके हानिकारक प्रभाव को कितने हल्के में लेते हैं। आंख और ईएनटी से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि के उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है। बढ़ते प्रदूषण के स्तर के साथ, व्यक्तियों को अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है।

इन चुनौतियों के बावजूद सर्वेक्षण ने जनता के बीच इससे निपटने के उपायों को अपनाने में कमी नजर आई। केवल 35 प्रतिशत ने सुरक्षात्मक आईवियर या धूप का चश्मा पहनने की सूचना दी, और लगभग 40 प्रतिशत ने उच्च प्रदूषण वाले दिनों में ईएनटी से संबंधित मुद्दों के लिए कोई विशेष सावधानी नहीं बरतने की बात स्वीकार की। फिर भी, आधे से अधिक लोगों ने आंखों और ईएनटी स्वास्थ्य पर प्रदूषण के दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में चिंता व्यक्त की।

टिकाऊ आजीविका के साथ पर्यावरण की रक्षा

नवाचार

■ बाबा मायाराम

पिछले कुछ सालों से खेती में रासायनिक खाद व मशीनीकरण का इस्तेमाल हो रहा है। इसके कई पहलू हैं, जिस पर चर्चा होती रही है। इसका एक पहलू कंबाईन-ट्रेक्टर से खेती भी है। इसका एक असर तो पर्यावरण पर प्रतिकूल असर है, साथ यह मजदूरों की आजीविका से भी जुड़ा हुआ है। फसलों की कटाई एक ऐसा मौका होता है, जब किसान व मजदूरों दोनों में भाईचारा व एकता दिखाई देता है। इसलिए आज इस मुद्दे पर चर्चा करना उचित होगा, जिससे खेती को समग्रता में समझा जा सके।

अक्सर जब हमें खेतों में कंबाईन-हारवेस्टर दिखाई देता है तो उसे समृद्धि और विकास का प्रतीक मानते हैं जबकि हकीकत में इसके कई नुकसान सामने आ रहे हैं। इसके आने से जो रोजगार कटाई और थ्रेसिंग के रूप में मजदूरों को मिलता था उससे वे वंचित हो रहे हैं। कंबाईन -हार्वेस्टर से कटाई के बाद जो ठंडल छूट जाते हैं उनमें आग लगाने से हरे-भरे पेड़ जल रहे हैं, भूमि की उर्वर को बनाने वाले सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो रहे हैं। जैव-विविधता खत्म हो रही है। खेती की लागत बढ़ रही हैं। आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। एक बड़ा असर धरती के गरम होने का भी हैं। कार्बन गैसों के उत्सर्जन से यह खतरा जुड़ा है। इस समय देष-दुनिया में जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है, इसके बावजूद ऐसी मषीनों के उपयोग पर सावधानी नहीं बरती जा रही है।

हाल ही में खेतों धान की कटाई हुई है। मजदूरों की जगह अब कंबाईन हार्वेस्टर से कटाई की जाने लगी है। कटाई के बाद फसलों के ठंडलों को आग लगाई जा रही है। एक तो खड़ी फसलें जल रही है, खेतों और सड़क के किनारे लगे हरे-भरे पेड़ जल रहे हैं। इनमें से कई तो बरसों पुराने पेड़ हैं। इससे खेतों की हरियाली खत्म हो रही है। खेत भी जले- भुने ऊष्मषान की तरह लगने लगे हैं। जबकि खेतों का सौंदर्य देखते ही बनता था। हरे-भरे पेड़-पौधे मन को मोह लेते थे। फसलों के ठंडल जलाने से भूमि को उर्वर बनाने वाले सूक्ष्म जीवाणु व जीव-जंतु नष्ट हो रहे हैं और भू-जल पर भी असर हो रहा है। जैव विविधता की दृष्टि से यह बहुत बड़ा नुकसान माना जा सकता है। जबकि पहले हाथ से कटाई होती थी तो छोटे ठंडल बचते थे जो खेत की मिट्टी में मिलकर जैविक खाद बनाते थे।

ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब कटाई के समय भूमिहीन मजदूरों को इससे बहुत रोजगार मिलता था। अब वे बेरोजगार हो गए है और उनके भूखे मरने की नौबत आ गई हैं।

मुझे याद है मेरे पिता धान कटाई के समय अस्थायी रूप से खेत में रहते थे। उनका डेरा वहीं रहता था। वहीं वे धान कटाई करते थे, उसे एक जगह एकत्र करते थे। खेत में ही खलिहान बनाते थे। और बैलों से दाबन करते थे। दाबन यानी धान के ठंडल से दाना निकालने के लिए उस पर बैलों को गोल-गोल घुमाया जाता था। जिससे धान की बालियों से दाना झर जाता था और ठंडल अलग हो जाता था। बाद में अनाज को बोरियों में भरकर घर ले जाया जाता था। और ठंडल, जो पशुओं के चरने के काम आता था। बाद में पशुओं के गोबर से जैव खाद तैयार होती थी। यह चक्र बना रहता था। यानी उस समय ठंडलों को जलाना नहीं पड़ता था। खेती भी श्रम आधारित होती थी।

खेती और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक हैं। गाय का गोबर खाद से खेत को उपजाऊ बनाते थे और उसके बछड़ों से खेत की जुताई की जाती थी। ट्रेक्टर और कंबाईन हारवेस्टर के खेत में आने से पषु ऊर्जा को खेती से अलग कर दिया गया है। अब खेत में बैल से जुताई नहीं, ट्रेक्टर से की जा रही है। अब गोबर खाद नहीं, हरित क्रांति के संकर बीजों के साथ आए रासायनिक खादों का इस्तेमाल हो रहा है। इससे हमारी भूमि का उपजाऊपन खत्म होता जा रहा है। भूमि को उर्वर बनाने वाले सूक्ष्म जीव व निस्वार्थ भाव से काम करने वाले केंचुए खत्म हो रहे है।

खेती और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक हैं। गाय का गोबर खाद से खेत को उपजाऊ बनाते थे और उसके बछड़ों से खेत की जुताई की जाती थी। ट्रेक्टर और कंबाईन हारवेस्टर के खेत में आने से पषु ऊर्जा को खेती से अलग कर दिया गया है। अब खेत में बैल से जुताई नहीं, ट्रेक्टर से की जा रही है। अब गोबर खाद नहीं, हरित क्रांति के संकर बीजों के साथ आए रासायनिक खादों का इस्तेमाल हो रहा है।

रासायनिक खादों के इस्तेमाल से किसानों के मित्र कीट-पतंगें, पक्षियों व अन्य जीव भी मारे जा रहे हैं। जिससे मिट्टी की उर्वरता नही बढ़ पा रही है। किसान बताते हैं कि ट्रेक्टरों की जुताई से मिट्टी सख्त हो रही है। जबकि फसल के लिए खेतों की मिट्टी पोली, भुरभुरी और नरम होना जरूरी है।

खेतों में ट्रेक्टर व कंबाईन हारवेस्टर आने से खेती में निर्भरता बढ़ गई। पहले किसान अधिकांष काम खुद करता था। शुरू में तो फावड़ा-कुदाली चलाकर खेती में मेहनत करता। उसे खेती के सभी तरह के कामों की जानकारी थी। हल-बक्खर कितनी गहराई पर चलाना है, खेत को कैसे तैयार करना है, बीज कब बोना है, पानी कब देना है, निंदाई-गुड़ाई कब करना है, कटाई कब करना है, उसे सब मालूम था। संकर बीजों के साथ नया कृषि ज्ञान आया है, जिससे वह अनजान है।

कुछ किसान कहते हैं कि कटाई के समय मजदूर नहीं मिलते, इसलिए हारवेस्टर से कटाई करवाना जरूरी है। लेकिन मजदूरों का कहना है कि अगर उन्हें उचित मजदूरी दी जाए तो मजदूरों की कमी नहीं है। गांव से शहरों की ओर लगातार पलायन हो रहा है दूसरी तरफ गांव में मजदूर नहीं मिलने की बात समझ से परे है। अब उसकी खेती स्वावलंबी की जगह परावलंबी हो गई है। जिसमें हर चीज के लिए उसकी निर्भरता बढ़ती चली जा रही है। ट्रेक्टर के लिए ईंधन और ट्रेक्टर मरम्मत के लिए वह शहरों पर निर्भर हो गया। अगर कभी बिगड़ जाता है तब भी मरम्मत। इससे हो यह रहा है कि छोटे किसानों के लिए खेती करना मुश्किल होता जा रहा है, उनकी जमीन छिनती जा रही है। यानी कुल मिलाकर ऐसी मशीनों का उपयोग किसी भी दृष्टि से उपयोगी नहीं है। न रोजगार की दृष्टि से, न भूमि के उपजाऊपन की दृष्टि से और न खर्च की दृष्टि से और न ही जलवायु की दृष्टि से। खरपतवारनाशकों ने उपयोग ने भी मजदूर और महिलाओं की रोजी-रोटी छीन ली है।

इस सबके मद्देनजर हमें टिकाऊ खेती की ओर बढ़ना जरूरी हो गया है। खेती-किसानी को ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाने का साधन बनाने की बजाय भोजन की जरूरत पूरा करने की दृष्टि से करने की जरूरत है। पर्यावरण और मिट्टी को बचाने की जरूरत है। खेतों के आसपास हरे-भरे वृक्षों को बचाने की जरूरत है। मेड़ बंदी और भू तथा जल संरक्षण के साथ ही भूमि का उपजाऊपन बढ़ाने की कोशिश करना चाहिए। जैविक खेती को अपनाना चाहिए। गोबर-खाद और हल-बक्खर की खेती को अपनाना चाहिए। इसमें टिकाऊपन और पारिस्थितिकीय संतुलन की क्षमता मौजूद है। इससे हमारी जैव-विविधता नष्ट नही होती। हमारे यहां मिलवां (मिश्रित) फसलों बोने का चलन है। एक साथ कई फसलें बोने से मिट्टी में पोषक तत्व बने रहते हैं। ऐसी विविधीकरण की खेती में बहुत संभावनाएं हैं। और इससे गरीब-किसानों का पेट भी भर सकता है, जो खेती का मुख्य उद्देश्य है। भोजन की जरूरत की दृष्टि से ही खेती विकसित हुई है। खेती एक जीवन पद्धति थी, टिकाऊ थी और इसमें किसानों के साथ मजदूरों की भी भोजन सुरक्षा जुड़ी होती थी। इससे आजीविका के साथ पर्यावरण की रक्षा होती थी। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ना चाहेंगे।

14 दिसम्बर

- संसद में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी ने संसद में अपने पहले भाषण में कहा कि देश में आज डर का माहौल है।
- राज्यसभा में सभापति जगदीप धनकड़ के खिलाफ महाभियांग प्रस्ताव- बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने तीखे वार किए
- गिरफ्तार सेलीब्रिटी अतलू अर्जुन को तेलंगाना हाईकोर्ट ने जमानत पर रिहा किया।
- सीरिया में विद्रोहियों ने बदला झंडा दिल्ली के दूतावास पर भी लहराया।

15 दिसम्बर

- संसद के शीतकालीन सत्र में संविधान पर चर्चा हुई। राहुल गांधी और पीएम मोदी ने एक दूसरे पर किए तीखे वार।
- छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक का किया शुभारंभ।
- फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो ने फ्रांस्वा बामरू को नया प्रधानमंत्री नामित किया।
- अपने आकार से ज्यादा है दुनिया के सबसे दुर्लभ रत्न क्यावथइट का वजन।

16 दिसम्बर

- मशहूद तबला वादक जाकिर हुसैन का फ्रांसिस्को में निधन हो गया।
- छत्तीसगढ़ में बस्तर में बस्तर ओलंपिक का समापन गृहमंत्री अमित शाह ने किया।
- महाराष्ट्र में देवेन्द्र फण्डवीश के मंत्री मंडल का विस्तार हुए। 39 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई।
- न्यूयार्क में रहस्यमय ड्रोन दिखा। निगरानी रखते ही हो जा रहा था गायब।

17 दिसम्बर

- छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में भीषण सड़क हादसे में छः लोगों की मौत हो गई।
- भारत-श्रीलंका के बीच रक्षा उर्ज सहि कई समझौते पर हस्ताक्षर हुए। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उपस्थित।
- राज्यसभा में छः नए सदस्यों ने राज्यसभा सदस्यता की शपथ ली। जो है टीएमसी के रिताव्रत बेनजी, बीजेपी के रेखा शर्मा, रायगा कृष्णैया, सुजीत कुमार तेलगूदेशम के एम राव यादव और साना सतीश।
- पाकिस्तान के गेंदबाज मोहम्मद इरफान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया।

18 दिसम्बर

- एक देश एक चुनाव विधेयक संसद में पेश किया गया। विधेयक बहुमत से स्वीकार। जेपीसी में भेजने का निर्णय हुा।
- चीन ने चार पीआईईईएसएटी-2 पृथ्वी रिमोट उपग्रहों को लांच किया।
- प्रशांत राज्य वानुअतु के तट पर 7.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया।
- भारत के जसप्रीत बुमराह साल 2024 के टॉप-10 टेस्ट क्रिकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल।

19 दिसम्बर

- भारत के दिग्गज स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों से सन्यास ले लिया।
- मुंबई में समुद्र में पलटी राव से 13 लोगों की मौत हो गई।
- प्रख्यात लेखिका व कवयित्री गगन गिल को उनके काव्य संग्रह मैं जब तक आयी बाहर के लिए वर्ष 2023-24 का साहित्य अकादमी पुरस्कार देने का ऐलान हुआ।
- जापान के वाकायामा प्रांत से कैरोस-2 अंतरिक्ष यान का सफल परीक्षण किया गया।

20 दिसम्बर

- तेलंगाना के प्रसिद्ध लोक कलकाकार मोगिलरूया का वारंगल में निधन हो गया।
- कैलीफोर्निया में बर्डफ्लू के चलते आपातकाल घोषित किया गया।
- जम्मू कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ में 5 आतंकी मारे गए।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान उड़ान के लिए असैबलिंग शुरू की।

'एक देश एक चुनाव' संघीय ढांचे के लिए खतरा ?

केंद्र सरकार द्वारा मंगलवार को संसद में 'एक देश एक चुनाव' का बिल पेश किया गया, जो भारत की चुनाव व्यवस्था में बड़े बदलाव की कोशिश करता है। यह बिल कई दृष्टिकोणों से देश के संघीय ढांचे, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और चुनावी व्यवस्था को प्रभावित करेगा। हालांकि सरकार का कहना है कि यह बिल राजनीतिक स्थिरता, प्रशासनिक दक्षता और संसाधनों की बचत के लिए जरूरी है। सड़क से लेकर सदन तक सत्ता पक्ष इसके फायदे बिना रही है, लेकिन विपक्ष इसके अव्यवहारिकता और संवैधानिक चुनौतियों को लेकर चिंता जाहिर कर रहा है जो वाजिब भी है।

सत्ता पक्ष के अनुसार केंद्र और राज्य के चुनाव एक साथ होने पर चुनाव आयोग के खर्च में कमी आएगी। चुनावों के समय होने वाली घटिया आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से उत्पन्न कटुता और वैमनस्य कम होगा। सरकारें इलेक्शन मोड के लोकलुभावन निर्णयों के स्थान पर नेशन बिल्डिंग मोड के कठोर फैसले लेने में समर्थ होंगी। निश्चित ही इन परिवर्तनों से हमारा देश मजबूत होगा। किंतु प्रश्न यह है कि क्या इन परिवर्तनों को लाने का एकमात्र जरिया केंद्र और राज्यों के चुनाव एक साथ कराना ही है? जब आप इन रंगीन भ्रांतियों का शिनाख्त करेंगे तो सच्चाई कुछ और निकलेगा।

दयानंद मिश्र 'शुभम'

एक सच्चाई ये भी है कि चुनाव आयोग पर आर्थिक बोझ दिखा कर भाजपा और अन्य दल अपना खर्च कम करना चाहते हैं। सीएमसी के अनुसार 2019 के लोस में खर्च हुए 60 हज़ार करोड़ में से बीजेपी का हिस्सा 45प्रतिशत था। और भाजपा का खर्च अमूमन 2014 के बाद हर चुनाव में बढ़ता ही जा रहा है।

इस बिल के चर्चा में आने के बाद से सबसे ज्यादा इसके आर्थिक फायदा गिनाए जा रहे हैं। जहां तक चुनाव आयोग के खर्च का प्रश्न है तो 2014 के लोकसभा चुनाव में लगभग 3000 करोड़ और 2019 में 4500 करोड़ रुपए का व्यय आकलित किया गया था। वही सिस्टम की लापरवाही के कारण पूंजीपतियों और भगोड़ों द्वारा देश के विभिन्न बैंकों को ऋण/एनपीए के रूप में जो क्षति पहुंचाई गई, उसकी तुलना में ये राशि बहुत कम है। ये राशि केंद्र सरकार द्वारा अपने ब्रांडिंग और विज्ञापनों पर किए गए खर्च से भी कम है। वर्ष 2014-23 तक पूंजीपतियों के करीब 14.56 लाख करोड़ की राशि माफ की गई। तो वही सरकार के आंकड़ों के अनुसार 2014-22 तक विज्ञापनों पर 6500 करोड़ खर्च किए गए। इतने राशि में कई चुनाव कराए जा सकते है।

एक सच्चाई ये भी है कि चुनाव आयोग पर आर्थिक बोझ दिखा कर भाजपा और अन्य दल अपना खर्च कम करना चाहते हैं। सीएमसी के अनुसार 2019 के लोस में खर्च हुए 60 हज़ार करोड़ में से बीजेपी का हिस्सा 45प्रतिशत था। और भाजपा का खर्च अमूमन 2014 के बाद हर चुनाव में बढ़ता ही जा रहा है।

अगर सच में मोदी सरकार चुनाव आयोग के खर्चे पर लगाम लगाकर जनता पर आर्थिक बोझ कम करना चाहती है तो उसे 'एक देश एक चुनाव' के बदले एक ऐसा कानून लाना चाहिए कि राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे का एक तय हिस्सा चुनाव आयोग को दिया जाएगा। इन्ही पैसे से चुनाव आयोजित होंगे। इससे जनता का ख़र्च कम होगा और चंदे को लेकर भी पारदर्शिता आएगी।

बात-बात पर नेहरू को कोसने वाली जमात का दावा है कि आजादी के बाद सारे चुनाव एक साथ हुए इसलिए 'एक देश एक चुनाव' लागू किया जाना चाहिए। चूंकि सामान्य सी समझ है आरम्भ में दोनों चुनाव एक साथ ही होना था, ये स्वाभाविक परिणति थी। कालांतर में इन दोनों चुनाव चक्रों का अलग-अलग होना भी स्वाभाविक था। संविधान निर्माता यह जानते थे। इसमें कोई विकृति नहीं है इसलिए चुनाव एकीकरण के लिए कोई कानून की जरूरत नहीं समझे।

दावा यह भी है कि एक बार चुनाव होने से मतदान प्रतिशत में वृद्धि होगी। लेकिन आंकड़े बताते है कि देश के बड़े सूबे उ.प्र., महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार सहित कई राज्यों में लोकसभा के तुलना में विधानसभा में अधिक वोटिंग हुआ है। मतलब मतदाताओं का क्षेत्रीय मुद्दों की तरफ ज्यादा रुझान है। वहीं यह भी तर्क दिया जा रहा है कि बार- बार आचार संहिता की वजह से विकास कार्य प्रभावित होता है। अगर इसे सच्चाई भी मान लें तो इसके लिए संघीय ढांचे को नष्ट कर, शक्तियों का केंद्रीकरण करने की जरूरत नहीं है बल्कि चुनाव संहिता में आमूलचूल परिवर्तन से या एक साल में होने वाले सारे चुनावों को एक समय पर सम्पन्न कराकर प्रशासनिक सुधारों और विकास कार्यों को गति दी सकती है।

विपक्ष ने कोविंद समिति के सामने संविधान के मूल संरचना का उल्लंघन का मुद्दा उठाया था, जिसका रिपोर्ट में भी जिक्र है। दरअसल 'एक देश एक चुनाव' संघीय ढांचे के विपरीत क्षेत्रीय दलों को कमजोर और राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व बढ़ाने वाला होगा। एक साथ चुनाव होने से क्षेत्रीय मुद्दे गौण हो जाएंगे। और केंद्र की शक्तियों में वृद्धि होगी। इस कानून के मुताबिक लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के साथ ही विधानसभा का कार्यकाल स्वत: समाप्त हो जाएगा। इससे राज्य के मंत्री परिषद और विधानसभा के अधिकारों में भारी कटौती होगी। राज्यपाल और राष्ट्रपति शासन द्वारा केंद्र में बैठी दल का राज्य में परोक्ष रूप से शासन होगा। बिल के मुताबिक अगर कोई राज्य सरकार बहुमत खो देती है तो वहां सिर्फ बचे हुए कार्यकाल के लिए मध्यावधि चुनाव होंगे। मतलब चुनाव पर खर्च तभी होगा, बस विधानसभा को 5 साल सरकार चलाने का अधिकार छीन जाएगा। कुल मिलाकर इस प्रस्ताव से चुनाव एक बार में हो या न हो लेकिन एकदलीय प्रणाली को बढ़ावा जरूर मिलेगा, केंद्र में काबिज दल की शक्ति बढ़ेगी जो सीधा संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती देगी।

(लेखक पत्रकार एवं चुनावी रणनीतिकार हैं)

नाकाम अमेरिकी स्वास्थ्य सेवाएं भारत के लिए सबक

अमेरिका की एक प्रमुख स्वास्थ्य बीमा प्रदाता कंपनी यूनाइटेड हेल्थ केयर के सीईओ ब्रायन थॉम्पसन की इस महीने की शुरुआत में हुई हत्या पर अमेरिकी जनता ने अपनी गहरी भावनाएं व्यक्त की हैं। शूटर के प्रति जनता के मन में सहानुभूति है। उसके इस कृत्य की तारीफ भी की जा रही है। थॉम्पसन की जान लेने वाली गोलियों पर तीन 'डी'- 'डिनाय', 'डिले', 'डिफेंड' (इनकार, देरी, बचाव) लिखा था पर इन्हें जरूर समझा जाना चाहिए जिनकी वजह से यह वारदात हुई।

तीन 'डी' एक संक्षिप्त शब्द बन गया और उन आलोचकों के लिए एक हथियार सा बन गया है जो इस बात पर नजर रखे हुए हैं कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को अस्वीकार करने या देरी करने और अपने सभी कॉर्पोरेट के साथ अपनी हरकतों का बचाव करके मरीजों को इतना हताश कर देती हैं कि चिकित्सा दावों के भुगतान मामलों में वे अपने दावे के बीच में ही हार मान लें। यह विलंब कॉर्पोरेट रणनीति का हिस्सा है जो बीमा कंपनियों के मुनाफे, कर्मचारियों को उच्च वेतन और दिवंगत सीईओ ब्रायन थॉम्पसन जैसों को बोनस बांटता है। कंपनी की टीमें एक तरफ कथित तौर पर बैकएंड पर दावों के इनकार पर काम करती हैं जबकि फ्रंटएंड में- उदाहरण के तौर पर यूनाइटेड हेल्थ केयर के मामले में चीफ अफोर्डबिलिटी ऑफिसर जैसे लोग नियुक्त किए जाते हैं जो आपके स्वास्थ्य की देखभाल करने वाली एक रंगीन तस्वीर दिखाते हैं।

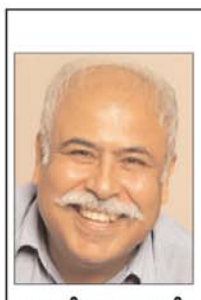

जगदीश रत्तनानी

स्वास्थ्य सेवा के बारे में अमेरिका में फैली निराशा भारत के लिए महत्वपूर्ण सबक है क्योंकि चिंता इस बात की है कि स्वास्थ्य सेवा के मामले में हम अमेरिकी मॉडल की ओर झुक सकते हैं। यदि यह झुकाव पहले से ही नहीं है तो भी इसे अपनाना भारत में विनाशकारी साबित होगा जहां स्वास्थ्य सेवा प्रणाली और भी अधिक चरमरा गई है। भारत में सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों के साथ विश्व स्तरीय देखभाल एवं उच्च मानकों का दावा किया गया है जो इलाज में बढ़ती लागत प्रदान करते है

स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का यह एक ऐसा पहलू है जो अत्यधिक जटिल है, जहां बड़े पैमाने पर निजीकरण और मुनाफे के साथ तीव्र प्रतिस्पर्धा है जो इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था में शीर्ष दो या तीन सबसे अधिक लाभदायक क्षेत्र बनाता है। वैश्विक शोध फर्म आईबीआईएस वर्ल्ड के अनुसार 2024 में स्वास्थ्य और चिकित्सा बीमा व अस्पतालों को मिलाकर अनुमानित 267 अरब अमेरिकी डालर का कुल लाभ हुआ जिसकी वजह से यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था में संयुक्त रूप से तीसरा सबसे बड़ा लाभदायक उद्योग बन गया। मैकिन्से ने जनवरी 2024 में एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि 'हेल्थ केयर प्रॉफिट पूल' 7 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ेगा जो 2022 के 583 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2027 में 819 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा।

यह एक ऐसी व्यवस्था है जिससे भारत ही नहीं बल्कि दुनिया को भी सावधान रहने की जरूरत है। एक अत्यधिक लाभ केन्द्रित क्षेत्र में जहां जनता का स्वास्थ्य ही पैसा कमाने का जरिया हो यह उन सभी चीजों की ओर इशारा करती है जो स्वास्थ्य क्षेत्र के संचालन के तरीके में शामिल नहीं होने चाहिये। इस बात से सबक लेना चाहिए है कि अब जो गुस्सा निकल रहा है वह सतह के नीचे था और लंबे समय तक टुकड़ों-टुकड़ों में देखा गया था।

गौर करें कि मारे गए सीईओ ने दो साल पहले लिंक्डइन प्लेटफॉर्म पर एक संदेश पोस्ट किया था जिसमें कहा गया था: 'स्वास्थ्य देखभाल को और अधिक किफायती बनाना ... (है) अभी पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। दवा की कीमतों को कम करना और मूल्य पारदर्शिता में सुधार करना दो तरीके हैं जिनके माध्यम से हम यूनाइटेड हेल्थकेयर के सदस्यों के लिए लागत कम करने के लिए काम कर रहे हैं।' उस पोस्ट के नीचे की टिप्पणियां आंखें खोलने वाली थीं। एक ने लिखा- 'मुझे फेफड़ों का स्टेज-4 का मेटास्टैटिक कैंसर है। चिकित्सा दावों के लिए सभी अस्वीकृतियों के कारण हमने यूएचसी छोड़ दिया है। मनाही करने के लिए हर महीने एक अलग कारण होता है। इलाज के लिए आज तक हम 20,000 डॉलर से अधिक खर्च कर चुके हैं और इससे अधिक खर्च करना हमारी इस साल की आर्थिक क्षमता के बाहर है। चूंकि हमारी उम्र 60 साल से अधिक हैं- हमारे पास इसे फिर से भरने का समय नहीं है।' कई अन्य लोगों ने इस नाराजगी पर सहमति जाहिर की हालांकि पोस्ट पर कई 'लाइक' भी दर्ज किए।

आधिकारिक तौर पर यूनाइटेड हेल्थ केयर ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया कि अमेरिका की सभी बीमा कंपनियों की तुलना में इसकी उच्चतम इनकार दर है। कंपनी ने कहा कि वह लगभग 90 प्रतिशत चिकित्सा दावों को मंजूरी देती है और भुगतान करती है। लेकिन अन्य सर्वेक्षणों और रिपोर्टों ने बढ़ती लागत और बढ़ते दावों को नकारने पर निराशा और चिंताओं की ओर इशारा किया है। बीमा कंपनियों ने सामान्य रूप से इस प्रक्रिया को एक रोड ब्लॉक में बदल दिया है जिसे पार करने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता होती है। हालांकि अब समूह के सीईओ एंड्रयू विट्टी इस बात से सहमत हो गए हैं कि प्रणाली 'त्रुटिपूर्ण' है।

स्वास्थ्य सेवा के बारे में अमेरिका में फैली निराशा भारत के लिए महत्वपूर्ण सबक है क्योंकि चिंता इस बात की है कि स्वास्थ्य सेवा के मामले में हम अमेरिकी मॉडल की ओर झुक सकते हैं। यदि यह झुकाव पहले से ही नहीं है तो भी इसे अपनाना भारत में विनाशकारी साबित होगा जहां स्वास्थ्य सेवा प्रणाली और भी अधिक चरमरा गई है। भारत में सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों के साथ विश्व स्तरीय देखभाल एवं उच्च मानकों का दावा किया गया है जो इलाज में बढ़ती लागत प्रदान करते हैं, जो अमीरों की देखभाल करते हैं तथा बाकी को छोड़ देते हैं। इस तरह भारतीय प्रणाली अमेरिका की तुलना में कई अधिक बोझ उठाती है। भारत के राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमान 2021-22 के अनुसार, कुल स्वास्थ्य व्यय के प्रतिशत के रूप में जेब से बाहर का खर्च लगभग 40 फीसदी है।

अमेरिकी प्रणाली अभी भी कई लोगों के लिए काफी अच्छी तरह से काम करती है। भारतीय प्रणाली के विपरीत वहां दवाएं निर्धारित की जाती हैं और उनके लिए भुगतान किया जाता है। बीमा या भुगतान करने की क्षमता हो या न हो, कोई भी अस्पताल आपातकालीन इलाज से इनकार नहीं कर सकता है। अस्पताल अग्रिम भुगतान की मांग नहीं करते हैं जैसी प्रथा भारत के लगभग सभी अस्पतालों में है।

अमेरिका में बाद की तारीख के लिए निर्धारित बिलों की वसूली के साथ दिल की बीमारियों जैसी महत्वपूर्ण या उच्च लागत वाली सर्जरी सहित किसी आपातकालीन मामले में इलाज किया जाना करना पूरी तरह से संभव है।

भारत में इनमें से किसी भी तरीके काम नहीं किया जाता है। भारतीयों की हताशा सबसे पहले उन लोगों के लिए देखभाल से इनकार करने पर है जो इलाज का भारी भरकम शुल्क वहन नहीं कर सकते। दूसरों के लिए यह डॉक्टर की सलाह की बढ़ी फीस, भारतीय अस्पतालों में कमरे के बढ़ते किराए और कई मामलों में डॉक्टरी पेशे के साथ बढ़ता मोहभंग तथा रोगियों के इलाज के तरीके हैं। बीमा लागत नाटकीय रूप से बढ़ी है तथा भारत में बुजुर्गों को कवरेज से वंचित कर दिया जाता है या कवरेज लागत नकारात्मक है।

अगर अमेरिका में व्याप्त व्यक्तिवादी, मुक्त बाजार, पूंजीवादी व्यवस्था में इस तरह का विद्रोह देखने को मिल सकता है तो कम से कम भारत को अमेरिकी व्यवस्था के करीब जाने या उसे अपनाने से सावधान रहने की जरूरत है। इसी मामले में जापान के बारे में विचार करें जहां 1960 के दशक में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा कवरेज आया। वहां लगभग सभी बीमारियों के उपचार कवर किए गए हैं, अधिकांश सेवाएं एक व्यवस्थित और दीर्घकालिक देखभाल बीमा प्रणाली के जरिए सस्ती हैं।

ये ऐसे कुछ सबक हैं जिन्हें हमें अस्वीकार करना चाहिए। भारत में स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हमें नया सीखने की जरूरत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। सिंडिकेट-द बिलियन प्रेस)

cmyk

सुशासन सप्ताह : मंडलायुक्त, डीआईजी व डीएम ने तालबेहट में सुनी जनसमस्याएं

- राजस्व व पुलिस टीमों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिये निर्देश
- अवैध कब्जों के मामलों में दोनों पक्षों को सुनकर निस्तारण के निर्देश दिये

ललितपुर। तालबेहट में जनसमस्यायें सुनते मंडलायुक्त, डीआईजी व डीएम-एसपी।

ललितपुर। शनिवार को शासन के निर्देशानुसार सुशासन सप्ताह के अंतर्गत तहसील तालबेहट में खुले में नहीं सोयेगा। निराश्रितों के लिए निःशुल्क रैन बसेरों की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने जनपदवासियों से भी अपील की कि यदि कोई असहाय व्यक्ति दिखे तो उसे निकट के रैनबसेरा तक पहुंचा दें। मौके पर तालबेहट की मानसरोवर झील के पुनर्जीवन की मांग उठायी गई, जिस पर बताया गया कि जनपद में जिलाधिकारी के नेतृत्व में जलस्रोतों के पुनर्जीवन के लिए बहुत बड़ा अभियान चलाया जा रहा है, जसमें ऐसे सभी जलस्रोतों को शामिल किया गया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कमलाकांत पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.इम्तियाज अहमद, उप जिलाधिकारी तालबेहट भूपेन्द्र सिंह, अपर उप जिलाधिकारी मो.नासिर सहित अन्य जनपदस्तरीय व तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

- इस सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसील तालबेहट में कुल 169 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व विभाग के 59, विकास के 14, विद्युत के 6, पूर्ति के 32, पुलिस के 32, नगर पंचायत का 1 तथा अन्य विभागों के 25 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 16 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण कराया गया।
- तहसील ललितपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 37 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व विभाग के 17, पुलिस के 3, विद्युत के 8, चकबंदी के 5, विकास का 1, सिंचाई के 2 तथा नगर पालिका का 1 प्रार्थना पत्र शामिल हैं।
- तहसील मड़ावरा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 26 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 3, विकास के 4, पुलिस के 7, पूर्ति के 8 तथा अन्य विभागों के 4 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 2 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण कराया गया।
- तहसील महरौनी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 73 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 9, पुलिस विभाग के 10, विकास के 5, पूर्ति के 24, विद्युत के 4, चकबंदी के 11, नगर पंचायत के 2 तथा अन्य 8 प्रार्थना पत्र शामिल है, जिनमें से 5 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण कराया गया।
- तहसील पाली में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 12 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 6, पुलिस के 2, पूर्ति के 3 तथा विकास विभाग का 1 प्रार्थना पत्र शामिल है, जिनमें से 2 प्रकरण का मौके पर निस्तारण कराया गया।

स्विफ्ट सवार बदमाशों ने माँगा गुण्डा टैक्स, किया हमला

ललितपुर। अपने मित्र के साथ घर लौट रहे बैंक कर्मी से स्विफ्ट डिजायर सवार बदमाशों ने रास्ता रोककर गुण्डा टैक्स वसूलने का प्रयास किया। बदमाशों ने लाठी-डण्डों से जानलेवा हमला किया। पीछे आ रहे बैंक कर्मी के भाई ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो उसके सिर पर गम्भीर प्रहार कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने मौका मुआयना कर घायलों को जिला अस्पताल में दाखिल कराया है। शहर क्षेत्र के मोहल्ला चौबयाना निवासी सुजीत कुमार सड़ैया पुत्र स्व.ध्यानदास सड़ैया ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका पुत्र निखिल सड़ैया अपने मित्र भरत सोनी के साथ शुक्रवार की रात करीब 9.45 पर घर वापिस आ रहा था। बताया कि वह मोहल्ले में स्थित पीलीकोठी के पास पहुंचे ही थे कि वहां पहले से घात लगाये बैठे स्विफ्ट डिजायर सवार बदमाश चौबयाना निवासी नीरज पाराशर पुत्र ओमकार पाराशर, नीलेश तिवारी व अभिषेक तिवारी पुत्रगण स्व.जगदीश तिवारी, मोहित सेन (तिस्ले) पुत्र स्व.तिलक सेन ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि उक्त लोगों ने निखिल से बैंक में मैनेजर होने और रुपया कमाने की बात कहते हुये पाँच हजार रुपये का गुण्डा टैक्स माँगा। अन्यथा अंजाम भुगतने की धमकी दी। विरोध करने पर हमलावरों ने एकराय होकर गाड़ी में रखे लाठी हुण्डे निकालकर निखिल सड़ैया व भरत सोनी की मारपीट कर दी जिससे उन्हें सिर व शरीर में चोटे आयी। उसी समय पीछे आ रहे निखिल के चचेरे भाई मनीष सड़ैया ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो नीलेश तिवारी व नीरज पाराशर ने मनीष को जान से मारने की नीयत से सिर पर ताबड़तोड़ प्रहार कर दिये, जिससे मनीष के सिर पर गम्भीर चोट आयी है। आरोप है कि नीरज पाराशर ने मनीष के गले में पड़ी सोने की चैन छीन ली। शोरगुल सुनकर मौके पर पहुंचे अनमोल पाठक पुत्र सुनील पाठक व बालकृष्ण नगाइच पुत्र स्व.मोहन नगाइच ने घटना को देखा और बीच-बचाव का प्रयास किया। आरोप है कि उक्त लोगों ने स्वयं का संगठित गिरोह बताते हुये मोहल्ले में रहने के एवज में गुण्डा टैक्स देने की धमकी दी। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 126 (2), 119 (1), 110, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

ग्राम कड़ेसराकलाँ के सहरिया मजरा क्वाटरन में कमिश्नर व डीएम ने लगाई जनचौपाल

- कहा कोई भी पात्र सरकारी योजनाओं से न रहे वंचित
- सहरिया बस्ती में भ्रमण कर लोगों की समस्यायें समझीं

ललितपुर। जनचौपाल में जनसमस्यायें सुनते मंडलायुक्त।

ललितपुर। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत सहरिया वाहुल्य गावों/मजरों में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए मण्डलायुक्त विमल कुमार दुबे व जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी द्वारा आज ग्राम पंचायत कड़ेसराकलां के राजस्व ग्राम क्वाटरन में जन चौपाल लगायी गई।

जन चौपाल में मण्डलायुक्त ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार अन्त्योदय की अवधारणा को साकार करने के लिए लगातार जनपद के पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में जीरो पॉवरटी सर्वे कराकर छूटे हुए पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन किया जा रहा है। ताकि प्राथमिकता के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके। कुछ ग्रामीणों द्वारा मूलभूत सुविधाओं की कमी बताई गई और गांव में विकास कार्यों की मांग उठायी गई। जिस पर जिलाधिकारी ने आवास, खाद्यान, शौचालय, विद्युत, जॉबकार्ड, श्रमिक पंजीयव व गैस कनेक्शन आदि से सम्बंधित अधिकारियों को गांव में कैम्प लगाकर प्राथमिकता के आधार पर पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने चौपाल में ही ग्रामीणों से जीरो पॉवरटी सर्वे रिपोर्ट का मौखिक सत्यापन कराते हुए लाभार्थियों के नाम पढ़कर सुनाए, जिस पर ग्रामीणों ने सहमति जतायी। मण्डलायुक्त व जिलाधिकारी ने गांव की सहरिया बस्ती में भ्रमण कर लोगों से वार्ता की। उनकी समस्याएं सुनी और उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द ही उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कमलाकांत पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ इम्तियाज अहमद, उप जिलाधिकारी तालबेहट भूपेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत गोविन्द, जल निगम अवनीश सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन मिश्रा, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल, खण्ड विकास अधिकारी तालबेहट सहित आवास, महिला बाल विकास, पूर्ति आदि विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शराब के नशेबाजों पर लगे महिलाओं से अभद्रता के आरोप

महिलाओं के रोड जाम पर सीओ सदर ने दिया आश्वासन

ललितपुर। आन्दोलनरत महिलाओं को समझाते सीओ सदर।

ललितपुर। जिले के ग्राम सिंदवाहा, पटउवा और छिल्ला में देशी शराब की दुकानों को बंद कराने की पुरजोर मांग करते हुये विगत दिनों से महिलाओं ने मुख्यालय पहुंच कर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपे हैं। वहीं दूसरी ओर शनिवार को शराबियों के आतंक से आजिज आकर महिलाओं ने ललितपुर-झाँसी मार्ग गल्ला मण्डी के पास जाम लगा दिया।

महिआलों का आरोप है कि शराब पीकर लोग महिलाओं से अभद्रता करते हैं। शाम होते ही शराबियों का आतंक काफी बढ़ जाता है। शराब की दुकान मोहल्ले के नजदीक होने के कारण यहां के लोग शराब पीकर अपना जीवन बर्बाद तो कर ही रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर घरेलू महिलाओं को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुये शराब की दुकान को स्थानान्तरित करने की माँग उठायी। जाम लगाने की सूचना पर पहुंचे सीओ सदर अभय नारायण राय व शहर कोतवाल रमेश कुमार मिश्रा, निरीक्षक जर्नादन यादव व निरीक्षक सुरेश कुमार त्रिपाठी, महिला थानाध्यक्ष ने महिलाओं को समझाया और ठोस कार्यवाही का आश्वासन दिया। रामनगर मोहल्ले की महिलाओं ने डीएम के नाम मौके पर ही एक प्रार्थना पत्र सीओ सिटी अभय नारायण राय को सौंपा। पत्र में महिलाओं ने बताया कि शराब का सेवन करने के बाद लोगों द्वारा महिलाओं से अभद्रता की जाती है और विरोध करने पर महिलाओं से मारपीट की जा रही है। उन्होंने शराब की दुकान को बंद कराये जाने और स्थानान्तरित कराये जाने की मांग उठायी है। पत्र देते समय रामनगर की महिलाओं में शीला, ऊषा, बैजन्ती, आशा, शिवकुमारी, जगदीश प्रसाद, विनीता, सुजाता, धर्मेंद्र कुमार एड. के अलावा अनेकों लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

विक्रयशुदा जमीन पर बैंक कर्मियों से मिलकर बनवा लिया केसीसी

ललितपुर। सिद्धन रोड आईटीआई के पास रहने वाले अतीक खान पुत्र इसरार ने सीजेएम न्यायालय में वाद दायर कर विपक्षियों पर एफआईआर दर्ज करायी है।

अतीक खान ने बताया कि ग्राम रोंडा निवासी फूलाबेटी पत्नी राजाजू ने उसके भाई अहमद खान, रईस खान व शिवकुमार सिंह सोलंकी के हक में 2011 में जरिए रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से विक्रय किया था। बताया कि फूलाबेटी के पुत्र भगवान सिंह व केहर सिंह ने गवाही में हस्ताक्षर करने के बाद दाखिल खारिज की कार्यवाही में ब्लैकमेल करने की नीयत से आपत्ति लगा दी थी, जिससे दाखिल खारिज नहीं हो सका। आरोप है कि भगवान सिंह व केहर सिंह ने फूलाबेटी की मृत्यु उपरान्त धोखाधड़ी व छलपूर्वक कागजात में गलत नाम दर्ज करा लिये थे, जिसकी शिकायत भी वर्ष 2019 में दर्ज करायी गयी थी। यह भी आरोप है कि इसी बीच भगवान सिंह व केहर सिंह ने बैंक ऑफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक से सांठगांठ कर उक्त आराजी का फर्जी व जालसाजी से किसान क्रेडिट कार्ड बनवा लिया और असत्य आख्यायें लगाकर जमीन को बंधक करते हुये 2,07,903 रुपये बैंक से निकाल लिये एवं खतौनी पर बन्धक होने का इन्द्राज करा दिया। आरोप है कि भगवान सिंह अपनी पुत्री प्रवेश राजा व पुत्री बेबी राजा से झूठे शिकायती पत्र दिलवाकर उसे ब्लैकमेल करते हुये एक बार 50 हजार रुपये भी ले लिये। पीड़ित का आरोप है कि 24 अगस्त 2024 को जब पीड़ित बस स्टेण्ड के पास था, तभी अपराह्न करीब 2 बजे उक्त लोगों द्वारा जान से मारने की धमकी दी। अब न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318 (4), 336 (2), 338, 340 (1), 340 (2), 308 (2), 308 (6), 308 (7) व 61 (2) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

जीआरपी पुलिस ने दबोचे दो शातिर

ललितपुर। जीआरपी पुलिस की हिरासत में चोरी के आरोपी।

- चोरी के 3 मोबाइल फोन बरामद

ललितपुर। अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक रेलवे झांसी द्वारा चलाये जा रहे अभियान चेकिग संदिग्ध व्यक्ति वस्तु एवं गिरफ्तारी व बरामदगी चोरी लूटी गयी संपत्ति के क्रम में पुलिस उपाधीक्षक रेलवे झांसी के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जीआरपी के नेतृत्व में शुक्रवार की रात करीब 9.30 बजे रेलवे स्टेशन से दो नफर बदमाशों को धर दबोचा है। पकड़े गये बदमाशों के नाम मध्य प्रदेश के जिला ग्वालियर अंतर्गत कोतवाली डबरा के महावीरपुरा दा संगमा स्कूल के पास निवासी दिवाकर सिरोहिया उर्फ गोलू पुत्र सुल्तान सिंह एवं प्रेमनारायण जाटव उर्फ गोलू पुत्र पातीराम जाटव बताये गये हैं। पुलिस ने दोनों शातिर बदमाशों के पास से चोरी किये गये तीन मोबाइल फोन्स बरामद किये है। शातिर चोरों को पकड़ने वाली जीआरपी पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राजेश सिंह, उपनिरीक्षक दिलीप कुमार, हेडकॉस्टेबिल सरवन सिंह, हेडकॉस्टेबिल आनंद कुमार, कॉस्टेबिल प्रभात कुमार व कॉस्टेबिल साहब सिंह शामिल रहे।

वरदानी भवन में मनाया गया 'विश्व ध्यान दिवस'

ललितपुर। वरदानी भवन में ध्यान लगाते साधक।

ललितपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज सेवा केन्द्र में विश्व ध्यान दिवस के रूप मे मनाया गया। वरदानी भवन में शनिवार की सुबह 7.30 से 8.30 बजे तक विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में आंतरिक शांति, वैश्विक सद्भाव विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस आयोजन में सामूहिक रूप से योगाभ्यास, राजयोग अनुभूति का अभ्यास करते हुए लोगों को राजयोग मेडिटेशन का संदेश दिया गया। ब्रह्माकुमारीज की आध्यात्मिक शिक्षा का मुख्य आधार राजयोग ध्यान ही है। राजयोगिनी बड़ी दीदी बी.के.चित्ररेखा ने बताया कि यह हर्ष का विषय है कि 21 दिसंबर को पहला विश्व ध्यान दिवस विश्वभर में मनाया गया है। ध्यान यानी मेडिटेशन से ही आत्म कल्याण संभव है। मेडिटेशन हमारे तन-मन को स्वस्थ रखता है। अंत में राजयोग के अंतर्गत यात्रा कराई कि 'मैं एक आध्यात्मिक ऊर्जा हूँ। मैं दिव्य शक्ति इस शरीर की मालिक, भृकुटी के मध्य विराजमान एक चैतन्य ऊर्जा हूँ। मैं आत्मा स्वस्थ हूँ। मैं आत्मा खुश हूँ। खुशी मेरा निजी गुण है, संस्कार है...मेरे सिर पर सदा मेरे इष्ट, मेरे आराध्य परमपिता परमात्मा का वरदानी हाथ है। मैं उनकी छत्रछाया में खुद को शांत और सुखी महसूस करता हूँ। मेरी सारी चिंताएं और समस्याएं परमात्मा को अर्पण हैं। मेरे इष्ट मुझे वरदान दे रहे हैं सदा सफलतामूर्त भवः. मेरे परिजन बहुत अच्छे हैं। मेरे जीवन की सारी चिंताएं दूर हो गई हैं। मेरा जन्म महान कार्यों के लिए हुआ है...' इस तरह आंखों को खुला रखकर खुद को आत्मा समझकर परमपिता परमात्मा से संवाद करना सिखाया जाता है। जब हम यह अभ्यास रोजाना एक नियत समय पर एक घंटा करते हैं तो 21 दिन के अंदर हमारे माइंड का औरा (चक्र) हमारे विचारों के अनुकूल तैयार हो जाता है। राजयोगिनी बीके मायारानी दीदी ने बताया कि मेडिटेशन धर्म, संस्कृति, जातिभेद, वर्णभेद, आयुभेद से परे है।

विश्व ध्यान दिवस : आर्ट ऑफ लिविंग ने किया सघन जनसम्पर्क

ललितपुर। आर्ट ऑफ लिविंग ललितपुर चैप्टर ने कई शिक्षण संस्थान, आफिस व अन्य संस्थाओं से सघन सम्पर्क कर 21 दिसंबर-विश्व ध्यान दिवस के बारे में विस्तार से बताया।

संस्था के जिला समन्वयक सुबोध शर्मा विश्वास ने लोगों से रात्रि 8 बजे आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक व आध्यात्मिक गुरु श्रीश्रीरविशंकर के साथ यूट्यूब चैनल पर ध्यान कर अपने जीवन को खुशहाल व शान्त व संयमित बनाने की अपील की। बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने पूरे विश्व में योग दिवस की तर्ज पर ध्यान दिवस की घोषणा की है। यह प्रत्येक वर्ष 21 दिसंबर को पूरे विश्व में विश्व ध्यान दिवस के रूप में मनाया जायेगा। जगदीश द्विवेदी ने जनपद क ग्रामीण क्षेत्र में पहुंचकर खड़ोबरा स्थित पं. रुद्र नारायण त्रिवेणी शर्मा मेमोरियल हाईस्कूल में प्रधानाध्यापक आशीष दीक्षित और स्कूल स्टाफ व बच्चों को विश्व ध्यान दिवस के बारे में विस्तृत रूप से बताया। जगजीत सिंह जाखड़ ने राजकीय महाविद्यालय के अतिरिक्त विभिन्न स्कूलों में जाकर आर्ट ऑफ लिविंग संस्था व ध्यान दिवस आयोजित करने पर संयुक्त राष्ट्र संघ का आभार प्रकट किया। शुभम देवलिया ने सभी से श्रीश्री के साथ ध्यान करने का आग्रह किया। विश्व योग दिवस की इन तैयारियों में आर्ट ऑफ लिविंग ललितपुर चैप्टर के सभी सदस्यगण साथ रहे। उल्लेखनीय है कि आर्ट ऑफ लिविंग ललितपुर के तत्वाधान में किडी पब्लिक स्कूल, जी.डी.मेमोरियल स्कूल, सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल, सिटी मोंटेशरी स्कूल, लेडी बेकन स्कूल, कोलकाता पब्लिक स्कूल आदि में सम्मिलित सम्पर्क करके भी ध्यान करने का अनुरोध किया।

देवोदय पूजन मंडल ने देवगढ़ में मनाया विश्व ध्यान दिवस

ललितपुर। शनिवार को पूरी दुनिया में विश्व ध्यान दिवस मनाया गया। इसी के तहत पूजन मंडल ने देवोदय तीर्थ देवगढ़ में ध्यान लगाया। साधकों ने पहले योग पूजन ध्यान किया, जो मानसिक शांति, आत्म-संयम, और तंदरुस्ती के महत्व को बढ़ावा देने के लिए था। बताया कि यह दिन हमें ध्यान की शक्ति को समझने और उसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने की प्रेरणा देता है। ध्यान (मेडिटेशन) केवल एक मानसिक अभ्यास नहीं है, बल्कि यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह तनाव को कम करने, आत्म विश्वास बढ़ाने और मानसिक स्पष्टता पाने में मदद करता है।

द्वजब हम अपने विचारों को शांत करते हैं और अपने भीतर की आवाज को सुनते हैं, तो हम अपने जीवन को अधिक सकारात्मक रूप से देख सकते हैं और चुनौतियों का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार होते हैं। इस मौके पर अंकुर जैन सानू बाबा ने बताया कि मेडीटेशन दिवस पर यह याद रखना चाहिए कि मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य।

जाखलौन क्षेत्र की समस्यायें सौंपीं विधान परिषद सदस्य को

ललितपुर। विधान परिषद सदस्य को पत्र सौंपते जिपं सदस्य।

ललितपुर। जिला पंचायत के वार्ड-8 से सदस्य अमर सिंह विश्वकर्मा ने दशकों से चली आ रहीं समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के लिये एक ज्ञापन विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा को सौंपा ताकि उच्च स्तर पर माँगों को उठाया जा सके।

बताया कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र जाखलौन से लगे दो दर्जन से अधिक छोटे-बड़े गाँवों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की आवश्यकता है। आवागमन के लिए शहजाद नदी पर पुल और सिंचाई के लिए चैकडेम के निर्माण की माँग की गयी है। जिपं सदस्य अमर विश्वकर्मा ने विधान परिषद सदस्य/वाराणसी जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा के आवास पहुंच कर उन्हें माँगपत्र सौंपे हैं। विधान परिषद सदस्य ने उक्त मांग पत्र डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक एवं जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को अपनी संस्तुति सहित भेज दिये हैं। अब उम्मींद है कि समस्या निस्तारण की दिशा में प्रगति हो सकेगी। जिपं सदस्य ने बताया कि चैकडेम या रपटा निर्माण से घुटारी, निवाई, ऐरावनी, निवाहो, कुमरौला, उत्तमधाना, मैरतीकलां, बेसरा, पढ़ौरिया, बम्हौरीकलां, ऐरा व आलापुर सहित दर्जनों गांव के लोगों को आवागमन और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा।

केन्द्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल को भी दिया था पत्र

जिपं सदस्य ने बताया कि जाखलौन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना के लिए हालिया 2 दिसम्बर को ललितपुर आयीं केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल को उनके द्वारा सर्किट हाऊस में पत्र देकर यह माँग उठायी गयी थी। जिस पर केन्द्रीय मंत्री द्वारा भी सीएचसी निर्माण के लिए आश्वासन दिया गया था।

राजापुर मोड़ के पास एक मारुति सुजुकी की टक्कर से एक बाइक सवार शिक्षक की मौत

गुरसराय(झाँसी) । थाना टहरौली क्षेत्र के गुरसराय-मऊरानीपुर मार्ग पर ग्राम राजापुर प्रतीक्षालय की मोड़ पर शनिवार की सुबह लगभग 9 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार मारुति सुजुकी ने एक बाइक सवार शिक्षक को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर लगने से बाइक सवार बाइक से उछलकर दूर जा गिरा और मारुति सुजुकी भी पलट गई।राहगीरो द्वारा इसकी सूचना टोड़ी फतेहपुर पुलिस को दी गई।मौके पर पहुंची पुलिस एवं ग्रामीणों की मदद से शिक्षक को गुरसराय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां परीक्षण उपरांत चिकित्सक ने शिक्षक को मृत घोषित कर दिया।टहरौली पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए मऊरानीपुर भेज दिया है।जानकारी के मुताबिक मृत शिक्षक का नाम बृजमोहन हरि उम्र 39 वर्ष प्रधानाचार्य प्राथमिक विद्यालय बेला के रूप में पहचान की गयी।मृत शिक्षक बृजमोहन हरि मऊरानीपुर से प्राथमिक विद्यालय बेला जा रहा था। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृत शिक्षक बृजमोहन हरि का एक लड़का ध्रुव 14 वर्ष एवं 19 वर्ष की लड़की जिसका नाम गुड़िया है।घटना की सूचना पर पहुंचे परिजनों का अस्पताल में रो-रो कर बुरा हाल हो गया था मृतक की पत्नी उर्मिला उर्म 36 वर्ष रो-रो कर बेसुध हो गई थी। वही घटना की सूचना पर शिक्षक साथियों की भीड़ अस्पताल में जमा हो गई थी।वही सीएचसी गुरसराय मे बीएसए विपुल शिवसागर,एबीएसए मनोज लक्ष्कार भी मौके पर पहुँच गए थे। मौके पर पहुंचे बीएसए विपुल शिवसागर ने मीडिया को बताया कि मृतक के परिजनों को विभाग की ओर से हर संभव मदद की जावेगी।

इस दौरान लेखाकार सुनील नगाइच,आदर्श द्विवेदी, अनिल कौशिक,अविनाश गोस्वामी, कुंजबिहारी शर्मा आदि शिक्षक नेता उपस्थित रहे।

परीक्षा को लेकर डीएम एसपी ने लिया जायजा

चित्रकूट। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने जनपद में आयोजित होने वाली राज्य/प्रवर अधिनस्थ सेवा परीक्षा को लेकर भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने चित्रकूट इण्टर कालेज, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, सेठ राधाकृष्ण पोद्दार इण्टर कॉलेज सीतापुर एवं श्रीगंगा प्रसाद जनसेवा इण्टर कॉलेज कर्वी का परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओ की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों पर अभी तक सीसीटीवी कैमरा कक्षाओं में डीबीआर सिस्टम नहीं लगा है, और कंट्रोल रूम नहीं बना है, उसको तत्काल संबंधित संस्था को निर्देश देकर बनवाया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होना चाहिए, जनपद में कुल 9 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें 4032 परीक्षार्थी भाग लेंगे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कानून व्यवस्था को देखते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। उधर अपर जिलाधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में आयोजित होने वाली परीक्षा को लेकर परीक्षा केन्द्र सीआईसी का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, तहसीलदार कर्वी वाचस्पति सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह, सब रजिस्टार कर्वी राजेश कुमार सिंह, पीआरओ प्रवीण सिंह मौजूद रहे।

नेत्र चिकित्सालय में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

चित्रकूट। सदगुरु नेत्र चिकिसालय में एक दिवसीय नेत्र चिकित्सकीय रेटीना/युविया कार्यशाला का संपन्न हुई।

कार्यशाला में देश विदेश के लगभग 150 से अधिक नेत्र चिकित्सकों ने प्रतिभागिता किया। कार्यशाला मे आंख के अंदरूनी हिस्से में सूजन की बीमारी पर आधारित था, जिसमें आये नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने अनुभव, नवीन शोध एवं नवाचार पर चर्चा की, जिसका मूल उद्देश्य नेत्र रोगियों को गुणवत्तायुक्त चिकित्सा उपलब्ध कर भारत में अंधत्व निवारण को गति प्रदान करना है। कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ पीसी द्विवेदी मेडिकल कॉलेज रीवा, सदगुरू नेत्र चिकित्सालय डायरेक्टर डॉ बीके जैन, डॉ इलेश जैन, रूपेश अग्रवाल सिंगापुर, प्रो दीपांकर नंदी, डॉ उमा नांबियार, डॉ कल्पना बी मूर्ति,डॉ. आलोक सेन, डॉ. राकेश शाक्या, डॉ. नरेंद्र पाटीदार, डॉ. गौतम सिंह परमार, डॉ. राजेश जोशी, डा अमृता मोरे सहित सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सक उपस्थित रहे। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रो अमोद गुप्ता व प्रो अमन शर्मा जुड़े रहे। वहीं सदुरु नेत्र चिकित्सालय के डायरेक्टर डॉ बी के जैन एवं प्रशासक डॉ इलेश जैन ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं समय समय पर होती रहना चाहिए इससे आपस में एक दूसरे के अनुभव साझा होते रहते है जिसका फायदा सीधे नेत्र रोगियों को मिलता है। वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डा आलोक सेन ने कहा कि दो दिवसीय कार्यशाला में देश विदेश से आए सभी चिकित्सकों की सहभागिता से हमें सभी को अपने-अपने अनुभव और ज्ञान मिलने का अवसर मिला है।

मोमबत्ती की रोशनी में जुआ खेलते पुलिस ने तीन को दबोचा,भेजा जेल

चिरगांव (झांसी)। चिरगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महेवा गांव में महेवा डेरा में स्थित एक खेत में मोमबत्ती की रोशनी में रात्रि करीब साढ़े आठ बजे जुआ खेलते हुए पुलिस ने तीन जुआरियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार होते ही क्षेत्र के जुआरियों में खलबली मच गई।चिरगांव पुलिस ने जुआ फड से 52 ताश के पत्ते एवं 3450 रुपए बरामद किए तथा वहीं जामा तलाशी के उपरांत 1570 रुपए भी बरामद किए।चिरगांव पुलिस ने तीनों अभियुक्तों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कानूनी कार्यवाही हेतु न्यायालय भेज दिया।गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में महेन्द्र कबूतरा पुत्र बलराम कबूतरा निवासी ग्राम महेवा डेरा थाना चिरगांव जिला झाँसी,रोहित गौतम पुत्र स्व0 सुरेश निवासी ग्राम पहाड़ी बुजुर्ग थाना चिरगांव जिला झाँसी एंव प्रकाश जाटव पुत्र धनीराम निवासी ग्राम सिमथरी थाना चिरगांव जिला झाँसी है।तथा गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक वीरपाल सिंह हेड कांस्टेबल अजमत उल्ला एवं सिंह शामिल रहे।

न्यूज ब्रीफ

पूर्वांचल ने रीवां को छह विकेट से हराया

चित्रकूट। चित्रकूट चैलेंज कप में महिला वर्ग के दो मुकाबले खेले गए। टूर्नामेंट के पहले मैच में मध्य प्रदेश की रीवा एवं उत्तर प्रदेश की पूर्वांचल के मध्य बहुत रोमांचक मुकाबला खेला गया जिसमें पूर्वांचल ने रीवा को 6 विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। मैच के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेत्री राजेश्वरी द्विवेदी विशिष्ट अतिथि संगीता शिवहरे मंडल अध्यक्ष भाजपा, वंदना पाठक प्रोफेसर रसायन विज्ञान, वरिष्ठ समाजसेवी कल्पना सोनी, प्रभारी नन्ही दुनिया रीना मालवीय, बबीता प्रजापति, पूजा पांडे, सुनीता श्रीवास्तव, दीनू दुबे आदि ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ कराया। टॉस जीतकर रीवा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रियंका के शानदार 52 रनों की बदौलत निर्धारित 15 ओवर में सभी विकेट होकर 86 रन बनाए। पूर्वांचल की फील्डिंग बहुत जबरदस्त रही और उन्होंने रीवा के छह खिलाड़ियों को रन आउट किया। पूर्वांचल की काजल को दो एवं प्रिया तथा रिचा को एक-एक विकेट प्राप्त हुआ। रीवा ने संघर्ष करके अंत तक मैच को रोमांचक बनाए रखा, लेकिन मैन ऑफ द मैच पूर्वांचल की प्रिया पटेल के संघर्षपूर्ण नाबाद 30 रनों की बदौलत लक्ष्य को एक केवल एक गेंद शेष रहते चार विकेट खोकर प्राप्त कर लिया और फाइनल में प्रवेश किया। मैच में मनोज सैनी, कालिका प्रसाद श्रीवास्तव, विजय प्रकाश प्रजापति, रामेश्वर प्रजापति, रमाकांत यादव, मनीष, अंकुर यादव, संजय दुबे, सुनील दुबे मौजूद रहे।

बार संघ के चुनाव मे त्रिकोणीय हुआ संघर्ष

चित्रकूट। जिला बार संघ के चुनाव मे त्रिकोणीय संघर्ष के आसार है। इसमे सुरेष सिंह पटेल प्रभु, सुरेष तिवारी और जगतनारायण पाण्डेय के बीच मुकाबला होते प्रतीत हो रहा है। सभी प्रत्याषी जोर तोड और गुणा भाग लगा रहे है। अधिवक्ताओ को लुभाने के सारे हथकंडे अपनाये जा रहे है। अधिवक्ता संघ के चुनाव मे प्रत्याशियों ने डोर टू डोर प्रचार करना शुरू कर दिया है। बुधवार को अध्यक्ष पद के दावेदार रामसजीवन वर्मा के समर्थन मे विक्रम सिंह, धर्मेन्द्र कुमार भास्कर, रामकिषोर वर्मा, माताप्रसाद, षिवकुमार कुषवाहा समर्थन मे उतर आये है। वही सुरेष सिंह पटेल प्रभु के समर्थन मे ज्यादातर अधिवक्ता खुलकर समर्थन करने की बात कही है। अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह और रामेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि इस बार सुरेष प्रभु को अध्यक्ष बनाना है इसके लिये लगातार वह वकीलो से संपर्क साध रहे है। प्रत्याषियो ने पूरी ताकत झोंकना षुरू कर दी है मुख्य चुनाव अधिकारी चन्द्रपाल पाल, योगेष श्रीवास्तव, सहायक चुनाव अधिकारी आलोक त्रिपाठी, चुनबाद प्रसाद ने बताया कि 16-17 दिसंबर नामांकन, 19 दिसंबर वापसी, 20 दिसंबर दक्ष्यता भाषण, 23 दिसंबर मतदान, 24 दिसंबर मतगणना और इसी दिन परिणाम आयेंगे। अध्यक्ष पद मे सबसे पहला नाम सुरेष सिंह पटेल प्रभु, रामसजीवन वर्मा पूर्व प्रधान कसहाई, पूर्व डीजीसी अषोक गुप्ता, सुरेष तिवारी जगतनरायण पाण्डेय और महासचिव मे पंकज त्रिपाठी, राजकुमार यादव के नाम शामिल है।

टीचर आइकन बने शिवभूषण त्रिपाठी

चित्रकूट। राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी 2025 पर टीचर आइकन अवार्ड नवाचारी शिक्षक सहायक अध्यापक शिवभूषण त्रिपाठी उच्च प्राथमिक विद्यालय रेरूवा क्षेत्र रामनगर का चयन किया गया। टीचर आईकान अवार्ड में शिक्षा कला संस्कृति भाषा के क्षेत्र में काम करने वाली सामाजिक संस्था डॉ यादवेंद्र नाथ मेमोरियल ट्रस्ट (रजि.) के तत्वाधान में संचालित राष्ट्रव्यापी शैक्षिक प्रकल्प राष्ट्रीय उद्घोष शिक्षा का नया सवेरा के तत्वाधान में आयोजित चतुर्थ अखिल भारतीय शैक्षिक विमर्श एवं शिक्षक सम्मान समारोह 2025 में संपूर्ण भारत के शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया। जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियां व नवाचारी व सामाजिक कार्यक्रमों के प्रति अनुराग प्रशंसनीय होने के कारण जूरी मेंबर्स ने शिवभूषण त्रिपाठी को चयनित किया गया। यह सम्मान 12 जनवरी 2025 को हरिद्वार यूनिवर्सिटी कैनल रोड रुड़की उत्तराखंड में दिया जाएगा। इनके द्वारा विद्यालय का यू-ट्यूब चैनल शिक्षा की ज्योति नचे तमतनूं बनाकर शिक्षण विधा की अनेकों गतिविधियां का प्रर्दशन किया गया है। इसके पहले भी शिव भूषण त्रिपाठी एडु लीडर्स अवार्ड से सम्मानित किए गए थे। इस उपलब्धि पर खण्ड शिक्षा अधिकारी रामनगर एमपी सिंह, प्रधानाध्यापक शिवपूजन शुक्ला एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अखिलेश पांडेय ने बधाई दी है।

कर्ज से परेशान किसान ने फांसी लगाकर की कर ली जीवन लीला समाप्त

मोंठ(झांसी)। समथर थाना क्षेत्र के ग्राम लावन में शनिवार दोपहर खेत पर पेड़ से फांसी लगाकर करीब 34 बर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगा ली, जिसे मोंठ सीएचसी में मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए झांसी भेज दिया। कुछ माह पहले एक्सीडेंट में उसकी मां की मौत हो गई थी। फांसी लगाने से पहले पिता से बोला, मैं अपनी मां के पास जा रहा हूं। परिजनों ने बताया मां के इलाज के लिए कर्ज लिया था, उनकी मौत के बाद मानसिक तनाव में रहने लगा था। दो बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। ग्वालियर में भी उसका इलाज चल रहा था।

बताया गया है, समथर थाना क्षेत्र के ग्राम लावन में मंजुल कुशवाहा (34) पुत्र रामसेवक अपने परिवार के साथ रहता था। शनिवार सुबह करीब 11ः00 बजे घर से निकाला और कह कर गया कि खेत पर चने की फसल देखने जा रहा है। जब रामसेवक ने परिजनों ने खेत पर जाकर देखा तो उसका बेटा खेत पर लगे बबूल के पेड़ से फांसी के फंदे पर झूल रहा था। यह देखते ही पिता के सिर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, परिजनों के होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल उसे फंदे से नीचे उतरा और मोंठ सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए झांसी भेज दिया। मृतक के पड़ोसी कप्तान सिंह ने बताया कि उसने कुछ सामान मंजुल को दिया था। जिसे वापस लेने के लिए फोन किया तो मंजुल ने दुखी स्वर में कहा कि सामान घर पर रखा है और उससे अंतिम बार बात हो रही है। कारण पूछने पर वह रोने लगा, कप्तान सिंह ने तत्काल यह सूचना मंजुल के पिता रामसेवक को दी। मंजुल के पिता रामसेवक ने कॉल किया तो उसने कहा कि ÷जहां मेरी मां गई है, मैं भी वहीं जा रहा हूं।÷ इतना कहकर विलख-विलख कर रोने लगा और कॉल काट दिया। खेत पर जाकर देखा तो मंजिल ने फांसी लगा ली थी।

मृतक के भाई जीतू कुशवाहा ने कहा, विगत 4 माह पूर्व मंजुल, उसके पिता रामसेवक तथा मां कुसमा देवी एक बाइक से जा रहे थे। तभी ग्राम बसोबई के पास जानवर सामने आ जाने से वह गिरकर घायल हो गए थे। कुसमा देवी का इलाज करीब 7 दिन तक चलता रहा, इसके बाद उनकी मौत हो गई थी। जीतू ने बताया कि मां के इलाज में काफी पैसा खर्च हुआ, जिसके लिए कर्ज भी लेना पड़ा था। फसल भी साथ नहीं दे रही थी, जिसके कारण काफी कर्ज चढ़ता चला गया। बताया कि इन्हीं वजहों से मंजिल मानसिक तनाव में रहने लगा था। उसका ग्वालियर में इलाज भी कराया गया लेकिन उसकी हालत में बिल्कुल भी सुधार नहीं हो सका था। बताया कि मंजुल की पत्नी का नाम जानकी कुशवाहा है। जिनके एक 10 बर्षीय बेटा विनीत तथा 6 बर्षीय बेटी शिवानी है। मृतक पूरे परिवार का इकलौता सहारा था। वह खेती किसानी करने के साथ-साथ सब्जी आदि बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी मौत से परिजनों में शोक का माहौल है।

संसद में साहब के प्रति गलत बयान देने पर कांग्रेसियों ने पैदल मार्च निकालकर किया सत्याग्रह

चिरगांव (झांसी)। अभी हाल ही में संसद में गृहमंत्री अमित शाह द्वारा किए गए संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के अपमान पर झांसी युवा कांग्रेस ने चिरगांव नगर में रामनगर तिराहे से बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा तक पैदल मार्च निकाला। इसके बाद उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको शत-शत नमन करते हुए सत्याग्रह किया।इस मौके पर युवा कांग्रेस के प्रदेश संगठन महासचिव प्रदुम्न सिंह, जिलाध्यक्ष राजकुमार यादव, रोहित ठाकुर,जिला उपाध्यक्ष अभिमन्यु राजपूत,शालू खाँन, जिला महासचिव पवन पांचाल, इन्द्रपाल प्रदुम प्रजापति,प्रिंस कुशवाहा,रोहित नाहर,अजय, हेमंत राजपूत,मुकुल राजपूत, योगेंद्र कुशवाहा,लला राजपूत, शिवम चौरसिया,अंशुल नामदेव आशीष परिहार,सतेन्द्र परिहार, साथ मे भीम आर्मी के शेखर, राघवेंद्र आदि साथी उपस्थित रहे।

विश्व ध्यान दिवस पर हुए योग के कार्यक्रम

गुरसराय। आज प्रथम विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग बैगलोर के योगाचार्य गंगा प्रसाद श्रृंगीऋषि ने गुरसराय की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में ध्यानयोग सिखाया।उन्होंने नगर के प्रभू दयाल वैश्य पब्लिक स्कूल, श्री कल्याण बाल विद्या मंदिर इण्टर कालेज एवं जगदीश सिंह यादव, नन्दकिशोर मोदी महाविद्यालय में ध्यान योग प्राणायाम आदि के बारे में स्वस्थ रहने के उपाय बताए,जिसमे विद्यालय परिवार सहित छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रधानाचार्य रविकांत गुप्ता, महाविद्यालय के प्रभारी डॉ पुष्पेन्द्र सिंह चौहान,डॉ प्रतिज्ञा गुप्ता, प्रधानाचार्य सत्यप्रकाश द्विवेदी, शिवकुमार तिवारी,ठाकुरदास तिवारी,डी आर कान्तरे ,के एन मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

सेंट्रल बैंक ने स्थापना दिवस पर हितग्राहियों को दिए एक करोड़ के ऋण स्वीकृत पत्र

गुरसराय । सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के 114 वें स्थापना दिवस पर स्थानीय शाखा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शाखा प्रबंधक शिवम दीक्षित ने सेंट्रल बैंक के द्वारा संचालित तमाम योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सेंट कल्याणी, सेंट क्लीन, सेंट सैलरी सहित अनेक आकर्षित योजनाएं बैंक के द्वारा संचालित की जा रहीं हैं जिसका लाभ बैंक के माध्यम से लिया जा सकते हैं।इस मौके पर हितग्राही योजना के तहत एक करोड़ तक के ऋण स्वीकृत पत्र विष्णु चौरसिया, श्याम जी पस्तोर, जगदीश आदि को दिए गए । ऋण स्वीकृत पत्र प्राप्त होने पर उक्त लोगों ने हर्ष व्यक्त किया। इस मौके पर सहायक शाखा प्रबंधक शुभम देव वर्मा, कृषि वित्त अधिकारी प्रशांत सोनी, अनिल कुमार, मोहित यादव ने भी जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक जवाहरलाल राजपूत, नगर पालिका अध्यक्ष जयपाल सिंह राजू चौहान, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक ओ पी राठौर प्रधानाचार्य धन प्रकाश तिवारी, सुरेंद्र व्यास, अमित गर्ग, अतुल व्यास, वरिष्ठ अधिवक्ता सत्य प्रकाश शर्मा आदि ने सेंट्रल बैंक की कार्यप्रणाली सहित अन्य योजनाओं की प्रशंसा की।

जागरूकता शिविर आयोजित कर डाक्टरों ने की मरीजों की जांच

चित्रकूट। सामाजिक संस्थान मातृभूमि विकास परिषद ने शनिवार को स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया जिसमें संयुक्त जिला चिकित्सालय के ईएमओ डॉ जीतेन्द्र ने कमजोर महिलाओं एवं किशोरियों को सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी देते हुए पोषण किट बांटा है। जानकारी के अनुसार इरकान इण्टर नेशनल लि0 भारत सरकार के तत्वावधान में मातृभूमि विकास परिषद ने शनिवार को ब्लाक मुख्यालय मऊ अन्तर्गत ग्राम पंचायत बरगढ़ के सचिवालय में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर एवं स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया जहां चिकित्सकों ने ग्रामीणों की निःशुल्क जांच कर मुफ्त में दवाएं दीं और कमजोर महिलाओं एवं किशोरियों को पोषण किट भी बांटे।

इस मौके पर, नरेन्द्र खरे, प्रेम किशोर, क्रांति कुमार, ग्राम प्रधान शैलेश शुक्ला, आकाश त्रिपाठी, अनूप कुमार पाठक, सृजन त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने वांछित दबोचे

चित्रकूट। प्रभारी निरीक्षक राजापुर मनोज कुमार, आरक्षी इमरान खान व राहुल यादव ने वांछित चिन्टू कहार पुत्र धन्नू कहार निवासी जीजीआईसी कालेज कस्बा, थाना मऊ उनि बंश नारायण सिंह, आरक्षी संदीप यादव ने वांछित रामसुहावन पुत्र स्व0 रामकृपाल निवासी ग्राम अशोह, थाना राजापुर उनि सिद्धनाथ, आरक्षी शाकिर अली व चंदन विश्वकर्मा ने वांछित पवन कुमार पुत्र रामखेलावन निवासी सखौहा को गिरफ्तार किया।

शराब के साथ दो बंदी

चित्रकूट। थाना बरगढ़ उनि राधेश्याम सिंह, आरक्षी हिमांशू ने अभियुक्त श्यामबाबू उर्फ छोटू पुत्र राजकरन निवासी मुरका को 17 क्वार्टर देशी शराब, थाना मऊ उनि अनूप कुमार शुक्ला, आरक्षी नन्दलाल व महिला आरक्षी राखी देवी ने अभियुक्ता फूलकली आदिवासी पत्नी साधु आदिवासी निवासी हनुमानगंज को 19 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया।

खाद ब्लैक किए जाने से नाराज सैकड़ों किसानों ने समिति में जडा ताला

पनवाड़ी (महोबा)। पनवाड़ी की देवगनपुरा सोसाइटी में ऊंचे दाम पर यूरिया खाद बेच जाने से नाराज सैकड़ो किसानों ने बुंदेलखंड किसान यूनियन के पदाधिकारी के साथ समिति में ताला डालकर प्रशासन से पारदर्शीय तरीके से खाद वितरण कराए जाने एवं सरकारी रेट से अधिक पर बिक्री करने वाले प्रभारी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज का जेल भेजे जाने की मांग की है।

रवि की फसल में खाद की आवश्यकता किसानों के लिए चल रही है ऐसी स्थिति में पूरे जनपद में खाद को लेकर हाहाकार मचा हुआ है जिले के जनप्रतिनिधि एवं जिले के उच्च अधिकारी लगातार किस को सुविधा के अनुसार सरकार के निर्धारित रेट पर खाद उपलब्ध कराने का दम भर रहे हैं लेकिन ठीक इसके विपरीत समिति प्रभारी के द्वारा कार्य किए जाने के मामले सामने आ रहे हैं शनिवार को सहकारी समिति देवगनपुरा में 500 बोरी यूरिया खाद आने की जानकारी विभाग से मिलते ही किसान समिति में एक-एक बोरी खाद के लिए एकत्रित हो गए जहां संबंधित कर्मचारियों के द्वारा कस्बा पनवाड़ी के डाक बंगला से टोकन जारी होने की बात कहकर किसानों को टाल दिया तो डाक बंगला में किसानों की लंबी लाइन लग गई जहां संबंधित कर्मचारियों के द्वारा किसने की संख्या अधिक और खाद कम होने की बात कह कर एक-एक बोरी के टोकन जारी करने की प्रक्रिया शुरू की गई वहीं देवगनपुरा के किसान विदेश राजपूत रामस्वरूप का कहना है कि एक और किस लाइन में टोकन के लिए लग रहा वही प्रभारी अशोक पाल के द्वारा अपने तीन प्राइवेट कर्मचारियों को लगाकर दस-दस बोरी खाद ?400 प्रति बोरी के हिसाब से लेकर ब्लैक का काम शुरू कर दिया गया इस बात की जानकारी एस डी एम कुलपहाड़ अनुराग प्रसाद को दी गई लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया तब तक अन्य किसानों को भी जानकारी लगी तो वह एकत्रित हो गए समिति पर एकत्रित हुए सैकड़ो की संख्या में किसानों के द्वारा यह जानकारी बुंदेलखंड किसान यूनियन संगठन प्रभारी बाला प्रसाद को दी गई जिस पर बाला प्रसाद अपने यूनियन के पदार्थकारी देवी दिन राजपूत सुशील खेवरिया भरत तिवारी को लेकर मौके पर पहुंचे तो सचिव वहां से भगाने के लिए और कोई जानकारी नहीं दी गई जिस पर किसान यूनियन के नेतृत्व में समिति में ताला डाल दिया गया समिति पर मौजूद कर्मचारी संजय के द्वारा बताया गया कि सुबह 500 बोरी आई थी जिनका वितरण टोकन के हिसाब से किया गया किसी को ब्लैक नहीं किया गया लेकिन जब मौके पर मौजूद स्टॉक एवं स्टॉक बोर्ड में अंकित न किए जाने की बात की गई तो बताया क्या कि वह कोटरा सरकारी समिति के कर्मचारी हैं अधिकारियों के निर्देशों पर यहां ड्यूटी लगाई गई है सूचना पटल पर स्टॉक नहीं लिखा गया जिसकी जिम्मेदारी प्रभारी की होती है।

वही सिमरिया गांव की महिला किसान अनसुया करो पर कि उनके पास टोकन होने के बाद भी वह सुबह से भूखी प्यासी समिति पर खड़ी रही पर उन्हें एक बोरी खाद नहीं दिया गया जबकि उनके सामने अन्य लोगों को पांच-पांच बोरी खाद दिया गया इसी प्रकार का आरोप इसी गांव की रामकुमार भी लगती है कि वह सुबह से दोपहर तक खड़ी रही पर उन्हें खाद नहीं दिया गया दोनों महिलाओं को एक-एक बोरी खाद की आवश्यकता थी तुर्रा मुहार गांव के किसान गुलाब विश्वकर्मा एवं सुखलाल का रूप है कि वह तीन दिन से टोकन लिए घूम रहे हैं उन्हें खाद नहीं दिया जा रहा है जबकि अधिक दाम पर बिक्री की जा रही है। बुंदेलखंड किसान यूनियन के संगठन प्रभारी बाला प्रसाद के द्वारा चेतावनी दी गई है कि यदि इस समिति प्रभारी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसे जेल नहीं भेजा गया तो बुंदेलखंड किसान यूनियन के नेतृत्व में हजारों किसान समिति प्रभारी की गधे पर बैठा कर पनवाड़ी कस्बे की सड़कों पर फेरी निकलेंगे।

राजस्व कर्मी व लेखपाल अपने मूल कार्यों में रुचि लें: डीएम

मऊरानीपुर में आयोजित किया गया समाधान दिवस

झांसी जयूसं। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने कहा कि सभी राजस्व कर्मी एवं लेखपाल अपने मूल कार्यो में रुचि लें और अपने क्षेत्र में जाये तथा सेक्टर आदि की स्वयं नाप करें ताकि भूमि विवाद उत्पन्न ही ना हो । यह बात जिलाधिकारी ने मऊरानीपुर में आयोजित समाधान दिवस में कही है।

उन्होंने समस्त लेखपालों को निर्देश दिए कि गलत ढंग से भूमि पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करते हुए गैंगस्टर की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आप अपने मूल कार्यो को संवेदनशील होकर करें।

भूमि विवाद ना निपटने पर पुलिस करें 107/16 की कार्रवाई

उन्होंने यह भी कहा कि भूमि विवाद ना निपटने की स्थिति में पुलिस 107/16 की कार्रवाई करे, धारा 145 पर भी कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने धारा 24, सरकारी भूमि पर कब्जा होने पर धारा 151 की कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने आज शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को सुनते हुए उन्हें गंभीरता से लिया और मौके पर संयुक्त टीम को रवाना करते हुए निर्देश दिए की जांच आख्या एक दिवस में उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

लापरवाही की तो होगी कार्रवाई

उन्होंने कहा कि अधिकारी शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता बरतते है तो उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण करना सुनिश्चित करेंगे।

अवैध कब्जा कर नाले की बेची जा रही है जमीन

जिलाधिकारी अविनाश कुमार को संपूर्ण समाधान दिवस पर रामपाल ने बताया कि नगर पालिका गैरिज मोहल्ला पटवारीपुरा के पीछे सरकारी नाले की जमीन है, जिसे दबंग व्यक्तियों जो बहुत पैसे वाले और ताकतवर तथा भू-माफिया हैं। उक्त भूमि पर मोहल्ला पुरानी नझाई कस्बा मऊरानीपुर में रहने वाले दबंग द्वारा अवैध कब्जा कर नाले की जमीन बेची जा रही है। जिसे रोका जाए। जिलाधिकारी ने तत्काल उपजिलाधिकारी मऊरानीपुर को निर्देशित करते हुए कहा के मौके पर जाकर स्वयं जाँच करें और नियमानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनाए जाने के निर्देश

जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने एग्रीस्टैक योजना के तहत कृषि व राजस्व विभाग द्वारा किसानों की फार्मर रजिस्ट्री आईडी के लिए कैंप का आयोजन करते हुए फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनाए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि आप लोग अपनी फार्मर रजिस्ट्री आईडी जरूर बनवाएं और सरकारी योजनाओं का लाभ पाए।

यह अफसर रहे मौजूद

इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुधा सिंह, एसडीएम गोपेश तिवारी, पीडी डीआरडीए राजेश कुमार, तहसीलदार, क्षेत्राधिकारी पुलिस सहित समस्त विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

युवक को युवती ने चप्पलों से पीटा, भीड़ ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया

झांसी जयूसं। घर लौटते समय परेशान कर रहे युवक को युवती ने चप्पलों से पिटाई कर दी। हंगामा देख भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सदर बाजार थाना क्षेत्र के भट्टागांव निवासी पीड़िता ने बताया कि बीती रात वह काम करके वापस घर लौट रही थी। टैक्सी से उतरने पर एक युवक पीछा करने लगा। पीछे चलते-चलते युवक कमेंटबाजी करने लगा। पहले युवती ने उसे अनसुना किया, लेकिन आरोपी पीछे-पीछे उसके घर तक आ पहुंचा। हरकतें देख युवती का पारा चढ़ गया। चप्पल उतारकर युवती की पिटाई कर दी। महिला का कहना है कि युवक अक्सर ही उसके साथ छेड़खानी करता था। इस संबंध में सदर पुलिस का कहना है कि युवक प्रेमनगर थाना क्षेत्र के राजगढ़ का रहने वाला है। युवक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जहर खाने से युवक की मौत

झांसी जयूसं। जहर का सेवन करने से एक युवक की मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। बड़ागांव थाना क्षेत्र के ग्राम बचावली बुजुर्ग निवासी चेतराम ने कतिपय कारणों के चलते विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उपचार के लिए उसे मेडिकल कॉलेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

जेल में सबकुछ ओके मिला

जनपद न्यायाधीश, डीएम व एसएसपी ने जेल किया औचक निरीक्षण

- महिला बंदियों से किया संवाद, बच्चों को गुब्बारे, चॉकलेट एवं स्नेक्स वितरित किए वितरित

झांसी जयूसं। जनपद न्यायाधीश पद्मनारायण मिश्र, जिलाधिकारी अविनाश कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुधा सिंह ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश ने बैरक में निरूद्ध महिला कैदियों से बात की एवं उन्हें प्राप्त हो रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने उनसे स्वास्थ्य के बारे में पूछा गया एवं बीमार होने पर डॉक्टर द्वारा ईलाज मिलने के सम्बन्ध में जानकारी ली गई। निरूद्ध महिला बंदियों द्वारा बताया गया कि बीमार होने पर डॉक्टर द्वारा उनका ईलाज किया जाता है। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने महिला बंदियों के बच्चों को गुब्बारे, चॉकलेट एवं स्नेक्स वितरित कर उनके साथ प्यार दुलार किया।

जनपद न्यायाधीश ने जिला कारागार के निरीक्षण के दौरान दोषसिद्ध कैदियों से अपील दायर करने के संबंध में पूछा एवं उन्हें अपील दायर किये जाने हेतु सरकारी वकील से सहयोग लेने एवं अपील दायर किये जाने की समय सीमा के बारे में उन्हें अवगत कराया।

जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान कारागार में बनी सब्जी एवं दाल को देखा एवं उसकी गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। इसके उपरान्त उन्होंने कारागार में बने अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों से उनके ईलाज के संबंध में जानकारी ली एवं किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अवगत कराये जाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने वृद्ध बंदियों से भी वार्ता की एवं उनसे कहा कि यदि उन्हें ईलाज अथवा अन्य किसी भी प्रकार की परेशानी हो, तो वह उन्हें बतायें। समस्या का तत्काल समाधान किया जायेगा।

कारागार का निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने निर्देश दिए कि शीतलहर के दृष्टिगत समस्त बंदियों को ठंड से बचाए जाने के इंतजामात किए जाये। इसके अतिरिक्त उन्होंने कैदियों को कंबल आदि वितरण किए जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ईश्वर शरण कन्नौजिया, एवं वरिष्ठ कारागार अधीक्षक भी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन का वार्षिक अधिवेशन संपन्न

झांसी जयूसं। पेंशनर्स एसोसिएशन ऑफ रेलवेज झांसी मंडल का वार्षिक अधिवेशन रेलवे वर्कशॉप ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल रेलवे प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा रहे। डीआरएम ने रेलवे पेंशनर्स का हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। उन्होंने 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनर्स को शाल प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक दीपक सिन्हा द्वारा च्हैंडबुक फॉर रेलवे पेंशनर्सज्ज का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में अजय श्रीवास्तव मुख्य कारखाना प्रबंधक, डॉ. कुलदीप स्वरूप मिश्रा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, संतोष कुमार वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, स्वतंत्र कुमार अग्रवाल उप.वित्त सलाहकार एवं लेखाधिकारी, अरुण सिंह तोमर मंडल कार्मिक अधिकारी, और इंद्र विजय सिंह सचिव, एनसीईआरएस उपस्थित रहे। मंडल सचिव पी.के. श्रीवास्तव ने संगठन की आख्या प्रस्तुत की। इस अवसर पर झांसी रेल कारखाना शाखा का गठन भी किया गया।

कार्यक्रम में ओएस भटनागर, इंद्रसेन अरोड़ा, आर.के. दिवगैया, सुधीर कुमार आर्या, मनोज त्रिवेदी, राकेश कुमार सेठी, राम कुशवाहा, आर.एल. साहू, अशोक द्विवेदी, कमल अगरिया, विनोद कुमार सविता, ए.के. खरे, मनोज त्रिपाठी, वीर सिंह, विजय कुमार आदि शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन मन्नू खान और सीबी राय ने किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय खरे ने आभार व्यक्त किया।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का 114 वां स्थापना दिवस मनाया

झांसी जयूसं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का 114 वां स्थापना दिवस, क्षेत्रीय प्रमुख पन्नम कुमार और अमित कुमार, मुख्य प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, झांसी के मार्गदर्शन में मनाया गया।

वक्ताओं ने कहा कि 8 करोड़ से अधिक ग्राहकों की सेवा करते हुए, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया समुदायों को सशक्त बनाना और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना जारी रखता है। इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर का जश्न मनाते हुए, हम अपने संस्थापक सर सोराबजी पोचखानवाला की दूरदृष्टि और विरासत का सम्मान करते हैं, और ईमानदारी और उत्कृष्टता के साथ लोगों की सेवा करने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि करते हैं। इस अग्रणी प्रयास ने समाज के हर वर्ग, विशेष रूप से वंचितों के लिए वित्तीय सेवाओं को सुलभ बनाकर भारत के बैंकिंग परिदृश्य में क्रांति ला दी। पिछले 114 वर्षों में, बैंक लचीलेपन और प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में विकसित हुआ है, जो वित्तीय समावेशन के अपने मिशन को कायम रखते हुए चुनौतियों के बीच मजबूती से खड़ा रहा है।

अश्लील गाना गाने पर एक हजार का जुर्माना

झांसी जयूसं। अदालत ने अश्लील गाना गाने के आरोप में अभियुक्त को जेल में बिताई गई अवधि व एक हजार रुपए के जुर्माना से दंडित किया है।

मालूम हो कि प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बिजौली में रहने वाली एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह घर के बाहर खड़ी थी। तभी एक युवक वहां से निकल और उसे देखकर अश्लील गाना गाने लगा। मना करने पर उससे गाली गलौज की। पुलिस ने प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ग्वालटोली में रहने वाले प्रताप यादव के खिलाफ दफा 294, 504 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

स्व. चौधरी चरण सिंह - भूतपूर्व प्रधानमंत्री के जन्म दिवस 23 दिसम्बर को

झाँसी जयूसं। स्व.चौधरी चरण सिंह - भूतपूर्व प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर 23 दिसम्बर 2024 को विगत वर्षो की भाँति इस वर्ष भी जनपद में किसान सम्मान दिवस-2024 का आयोजन जिलाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में प्रातः 12:00 बजे से किया जा रहा है। उपरोक्त जानकारी देते हुए उप कृषि निदेशक एम.पी.सिंह नेअवगत कराया है कि आयोजित कार्यक्रम में जनपद स्तर पर कृषि विभाग से चार फसलों में उत्पादकता में प्रथम तथा द्वितीय स्थान पाने वाले कृषकों को सम्मानित किया जायेगा। इसी प्रकार विकासखण्ड स्तर पर भी किसानों को सम्मानित किया जायेगा। जनपद स्तरीय एवं कृषि वैज्ञानिको द्वारा कृषि विविधीकरण, जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, समूह क्षमता विकास एवं कृषकों को तकनीकी जानकारी दी जायेगी। किसान सम्मान दिवस के उपलक्ष्य में किसान गोष्ठी के साथ-साथ कृषि मेला एवं किसान प्रदर्शनी का भी आयोजन वृहद रूप से किये जाने का निर्णय लिया गया है। जिसमें कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, दुग्ध संघ, रेशम विभाग, सहकारिता विभाग के साथ स्वयं सहायता समूहो, महिला समूहों एवं निजी संस्थानों द्वारा स्टाल लगा कर कृषकों को उनके द्वारा संचालित योजनाओं ,कार्यक्रमा एवं उत्पादों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की जायेगी। उन्होंने समस्त सम्मानित कृषक बन्धुओं से सादर अनुरोध किया है कि आयोजित कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में प्रतिभाग कर कृषि वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा उपलब्ध करायी जा रही नवीनतम तकनीकी विभागीय योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर कृषक बन्धु नवीन तकनीकी को अपनाकर खेती से अपनी आय में वृद्धि कर अधिकाधिक लाभ प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाई जा रही है, स्टोलों में नई-नई तकनीकी की जानकारी फसल और बीज सहित अन्य लाभदायक जानकारियां उपलब्ध होंगी।

महाकुंभ-2025: पुलिसकर्मियों को मिल गई नई जिम्मेदारी

झांसी जयूसं। महाकुंभ - 2025 के लिए रेलयात्रियों और ट्रैक सुरक्षा को लेकर जागरुकता अभियान शुरु किया है। पोस्टर बैनर और स्टीकर के जरिए यात्रियों को सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जाएगी। महाकुंभ के दौरान स्पेशल ट्रेनों से भारी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज जाएंगे जिससे जीआरपी के लिए सुरक्षा चुनौती बढ़ेगी। यात्रियों को संदिग्ध गतिविधियों पटरी की स्थिति और यात्रा के दौरान सावधानियां बरतने के लिए सचेत किया जाएगा।

प्रदेश के पुलिस प्रमुख के निर्देश पर रेलयात्रियों को जागरुक करने के लिए विशेष अभियान शुरु किया गया है। पहली बार ट्रैक की सुरक्षा को लेकर भी लोगों को सजग किया जाएगा। विभिन्न पोस्टर, बैनर व स्टीकर के माध्यम से लोगों को सुरक्षा के प्रति पुलिस सचेत करेगी। महाकुंभ मेले में ट्रेन से बड़ी संख्या में श्रद्ध ालु झ ांसी रेल मंडल होते हुए प्रय ागराज पहुँचेंगे। रेलवे महाकुंभ के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। महाकुंभ के दौरान भीड़भाड़ का लाभ उठाकर शरारती तत्व कोई घटना भी कर सकतेहैं। जीआरपी और आरपीएफ के लिए भी आने वाले कुछ माह बेहद चुनौतीपूर्ण होंगे। ऐसे में कड़े सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित कराए जाने के साथ यात्रियों को जागरुक करने का कदम उठाया गया है।

यात्रियों को किया जाएगा जागरुक: एसएसपी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुधा सिंह ने बताया कि पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर यात्रियों को पोस्टर, बैनर व स्टीकर के माध्यम से जागरुक किया जाएगा। जीआरपी के साथ स्थानीय पुलिस श्रद्धालुओं को जागरुक करने का प्रयास करेगी। उनका कहना है कि रेलवे पटरी पर कोई भारी वस्तु पड़ी देखने पर, रेलवे पटरी क्षतिग्रस्त होने की दशा में, रेलवे पटरी पर संदिग्ध गतिविधियां होने पर, पटरी के पास किसी संदिग्ध व्यक्ति को दिखने पर व ऐसी अन्य परिस्थितियों के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की और ध्यान आकर्षित किया जाएगा।

किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने में मददगार बनेगी फार्मर रजिस्ट्री

- यूपी सरकार अभियान चलाकर सभी किसानों का तैयार करा रही फार्मर रजिस्ट्री
- कैम्प लगाकर किया जा रहा फार्मर रजिस्ट्री बनाने का काम
- झांसी में अभी तक 13 हजार से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनकर तैयार

झांसी जयूसं। किसानों की जमीनों से जुड़ी जानकारियाँ एक जगह एकत्र करने और उन्हें कल्याणकारी योजनाओं का सुविधाजनक तरीके से लाभ दिलाने के मकसद से शुरू की गई फार्मर रजिस्ट्री योजना के तहत यूपी सरकार अभियान चलाकर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करा रही है। झांसी जिले में 2,04,004 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार होनी है, जिनमें से अभी तक 13,952 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार हो चुकी है। जिले के सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार की जानी है।

झांसी जिले में प्रत्येक तहसील के तीन से चार ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन कैम्प आयोजित किये जा रहे हैं। कैम्प के अलावा जन सेवा केंद्रों के माध्यम से अथवा किसान स्वयं से भी ऑनलाइन माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री तैयार कर सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्री में किसान का नाम, पिता का नाम, किसान के स्वामित्व वाले सभी गाटा नम्बर, सह खातेदार होने की स्थिति में गाटे में किसान का अंश, मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर और ई-केवाईसी का विवरण रजिस्ट्री में दर्ज होगा। फॉर्मर रजिस्ट्री बन जाने से योजनाओं के नियोजन, लाभार्थियों के सत्यापन, कृषि उत्पादों का विपणन, किसानों की पहचान, वैरिफिकेशन में आसानी, किसानों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं को सुगम और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। झांसी के जिला कृषि अधिकारी कुलदीप कुमार मिश्रा ने बताया कि किसानों की खेती वाली जितनी भी जमीन है, उसका एक अबकेट बनाने के लिए योजना लांच की गई है। जितने भी गाटे हैं, सबका एक बिंदु पर रजिस्ट्रेशन हो जाएगा। जब भी किसान इसे खोलेंगे, उनके पास कितनी जमीन है, उनको पता चल जाएगा। जो सरकारी योजनाएं हैं, उसके लिए बार-बार वैरिफिकेशन नहीं कराना पड़ेगा। फसल बीमा के लिए उपयोगी होगी। उनको कितना बीज चाहिए, इसका पता चल जाएगा। जितने क्षेत्रफल में बुआई करेंगे, उसमें खाद की कितनी जरूरत होगी, इसका अनुमान लग जायेगा। क्रय के समय वैरिफिकेशन होता है, उसमें सहूलियत होगी।

हस्तशिल्प सप्ताह के समापन पर हस्तशिल्पियों ने लगाई प्रदर्शनी

हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आकांक्षा समिति की अध्यक्षा नेकिया अवलोकन, उत्पादों को सराहना

झाँसी जयूसं। 08 दिसम्बर 2024 से अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह का आयोजन जिला उद्योग केन्द्र कार्यालय में किया जा रहा, जिसका समापन आज जिला आकांक्षा समिति की अध्यक्षा श्रीमती प्रीति सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया। उक्त सप्ताह के दौरान हस्तशिल्पियों की गोष्ठी एवं प्रतियोगिताओं को आयोजन किया गया। साथ ही जनपद के हस्तशिल्पियों द्वारा अपने उत्कृष्ट उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का अवलोकन आकांक्षा समिति की अध्यक्षा जिलाधिकारी की धर्मपत्नी श्रीमती प्रीति सिंह तथा नगर आयुक्त - नगर निगम की धर्मपत्नी श्रीमती कामिनी द्वारा किया गया तथा अतिथिगणों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए हस्तशिल्पियों के उत्पादों की सराहना की गई।

मुख्य अतिथि द्वारा हस्तशिल्पियों को वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बनवाये गये हस्तशिल्प पहचान पत्रों का वितरण किया तथा कार्यक्रम मेंआये हुए समस्त हस्तशिल्पियों को अंग वस्त्र उढ़ाते हुए व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया । उक्त के अतिरिक्त विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ.नीति शास्त्री के संरक्षण में गठित चयन समिति द्वारा सर्वश्रेष्ठ ओडीओपी उत्पादों मेंशशिकान्त को प्रथम पुरस्कार, भगवान दास को द्वितीय पुरस्कार तथा मनोज कुमार को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इसी क्रम में वेस्ट क्राफ्ट कैटेगिरी में श्रीमती सुनीला कर्ण की मधुबनी पेण्टिंग को प्रथम पुरस्कार, सुमित झा को पेण्टिंग में द्वितीय पुरस्कार तथा नरेश सोनी को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इसी प्रकार हस्तशिल्प प्रदर्शनी में वेस्ट स्टॉल साजसज्जा श्रेणी में श्री जगदीश लाल को प्रथम पुरस्कार, श्रीमती मनीषा मिश्रा को द्वितीय पुरस्कार तथा श्रीमती रजनी दीक्षित को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में राज्य पुरस्कार से सम्मानित हस्तशिल्पियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आकांक्षा समिति की अध्यक्षा श्रीमती प्रीति सिंह द्वारा हस्तशिल्पियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया, उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्वावलम्बी बनना चाहिए इसके लिए उद्योग विभाग के अधिकारीगणों द्वारा आपको पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। इसी क्रम में श्रीमती कामिनी द्वारा हस्तशिल्पियों भी हस्तशिल्प उत्पादों की प्रशंसा की गई। उपायुक्त उद्योग मनीष चौधरी द्वारा हस्तशिल्पियों के प्रोत्साहन हेतु संचालित विभिन्न योजनायें यथा-मुख्यमंत्री हस्तशिल्प पेंशन योजना, हस्तशिल्प विपणन योजना आदि के सम्बन्ध में जानकारी दी गई तथा समस्त हस्तशिल्पियों से अपील की गई कि योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें।

कार्यक्रम का संचालन डॉ.नीति शास्त्री ने तथा प्रत्येक हस्तशिल्पी के उत्पाद की विशेषताओं से अतिथिगणों को अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में उ.प्र. व्यापार मण्डल की जिलाध्यक्ष श्रीमती शालिनी गुरबक्शानी, श्रीमती कामिनी बघेल , कु. प्रतिभा डोंगरे, महेश प्रजापति आदि द्वारा सहभागिता की गई। कार्यक्रम के अन्त मे अतुल कुमार पाण्डेय, सहायक आयुक्त उद्योग नेसभी का आभार व्यक्त किया।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी